PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

दैनिक
भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-43 | झुंझुनू (राजस्थान) | शुक्रवार, 2 जनवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो व्यक्ति दूसरों की बात सुनना सीख लेता है, वह केवल समझदार ही नहीं बनता, बल्कि अपने भीतर की सीमाओं को भी धीरे-धीरे तोड़ देता है।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

अनुभव, तर्क और सह-अस्तित्व की समझ

मानव समाज की सबसे बड़ी विशेषता और सबसे बड़ी चुनौती– दोनों एक ही हैं: भिन्नता। हर इंसान अलग है, उसका परिवेश अलग है, उसकी संवेदनाएँ अलग हैं और इसलिए संसार को देखने का उसका नजरिया भी अलग होता है। यही कारण है कि एक ही घटना, एक ही परिस्थिति, दो व्यक्तियों के लिए बिल्कुल भिन्न अनुभव बन जाती है। जैसे एक ही बारिश किसी के लिए प्रेम, सुकून और कविता का पर्याय हो सकती है, तो किसी ऐसे व्यक्ति के लिए पीड़ा, असुरक्षा और चिंता का कारण बन जाती है, जिसके घर की छत टपक रही हो। यहां प्रश्न सही-गलत का नहीं, बल्कि अनुभव की सच्चाई का है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

अनुभव तर्क के नियमों से नहीं, बल्कि भावनाओं और मनोवैज्ञानिक स्थितियों से संचालित होते हैं। इसलिए कई बार तर्क असहाय हो जाता है। आप किसी पीड़ित को यह तर्क देकर शांत नहीं कर सकते कि 'बारिश तो प्रकृति का वरदान है ', ठीक उसी तरह जैसे किसी खुश व्यक्ति से यह नहीं कह सकते कि 'तुम्हारी खुशी निरर्थक है क्योंकि किसी और को दुख हो रहा है।' दोनों ही अपने-अपने स्थान पर सही हैं। यही अनुभवों की सच्चाई है, जिसे नकारा नहीं जा सकता। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब हम अपने अनुभवों को एकमात्र सत्य मान लेते हैं और दूसरों के अनुभवों को कमतर या गलत ठहराने लगते हैं। समाज में टकराव, वैमनस्य और कटुता की जड़ यही मानसिकता है। हम भूल जाते हैं कि जिस जमीन पर हम खड़े हैं, वह हर किसी के लिए एक जैसी नहीं है। किसी के लिए वही जमीन मजबूत है, तो किसी के लिए दलदल।

समाज में सामंजस्य बनाए रखने के लिए यह अनिवार्य है कि हम दूसरों के अनुभवों का सम्मान करें, भले ही वे हमारे तर्क की कसौटी पर खरे न उतरते हों। अनुभवों का सम्मान करना, दूसरों की भावनाओं को स्वीकार करना है। इसका अर्थ यह नहीं कि हम तर्क को त्याग दें, बल्कि इसका मतलब यह है कि हम तर्क को मानवता से जोड़ें। बिना संवेदना के तर्क कठोर हो जाता है और बिना तर्क के अनुभव अंधा। निजी अनुभव जीवन का अमूल्य खजाना होते हैं। वे हमें गहराई से सिखाते हैं, हमारे व्यक्तित्व को गढ़ते हैं और हमें भीतर से मजबूत बनाते हैं। हर व्यक्ति अपने अनुभवों से सीखता है, टूटता है, संभलता है और आगे बढ़ता है। यही अनुभव हमारी कहानियों, हमारी अभिव्यक्ति और हमारी पहचान का आधार बनते हैं। साहित्य, कला, पत्रकारिता और सामाजिक चिंतन–सबकी जड़ में मानवीय अनुभव ही हैं। लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब निजी अनुभवों को सार्वभौमिक सत्य के रूप में प्रस्तुत किया जाने लगता है। 'मेरे साथ ऐसा हुआ, इसलिए यही अंतिम सच है '–यह सोच न केवल अपूर्ण है, बल्कि खतरनाक भी है। व्यक्तिगत अनुभव हमें दिशा दे सकते हैं, चेतावनी दे सकते हैं, प्रेरणा दे सकते हैं, लेकिन वे सम्पूर्ण समाज के लिए नियम नहीं बन सकते। समाज को चलाने के लिए तर्क, तथ्य, अध्ययन और व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।

यहीं पर तर्क की भूमिका सामने आती है। तर्क हमें व्यक्तिगत अनुभवों की सीमा से बाहर निकालकर व्यापक परिप्रेक्ष्य में सोचने की शक्ति देता है। तर्क अनुभवों को व्यवस्थित ज्ञान में बदलता है, भावनाओं को दिशा देता है और निर्णयों को संतुलित बनाता है। बिना तर्क के समाज भावनाओं की भीड़ बन जाता है और बिना अनुभव के समाज संवेदनहीन मशीन। इसलिए आवश्यकता है संतुलन की–अनुभव और तर्क के बीच संतुलन। हमें अपने अनुभवों से सीखना चाहिए, उन्हें साझा करना चाहिए ताकि दूसरों को भी समझ मिले, लेकिन उन्हें थोपना नहीं चाहिए। उसी तरह, हमें तर्क प्रस्तुत करना चाहिए, लेकिन इस तरह नहीं कि वह सामने वाले के अनुभवों को कुचल दे। सच्चा संवाद वही है, जहाँ अनुभव को सुना जाए और तर्क को समझा जाए। आज के समय में, जब सामाजिक और वैचारिक ध्रुवीकरण तेजी से बढ़ रहा है, यह समझ और भी जरूरी हो गई है। सोशल मीडिया से लेकर सार्वजनिक मंचों तक, हर कोई अपने अनुभव को अंतिम सत्य घोषित करने में लगा है। कोई अपनी पीड़ा को सबसे बड़ी मानता है, तो कोई अपनी सफलता को दूसरों पर श्रेष्ठता के रूप में थोपता है। इस प्रतिस्पर्धा में सहानुभूति, संवेदना और समझ कहीं पीछे छूट जाती है। यदि हमें एक स्वस्थ, शांत और प्रगतिशील समाज बनाना है, तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि हर इंसान की कहानी अलग है। हर अनुभव सम्मान योग्य है, लेकिन हर अनुभव नियम नहीं बन सकता। अनुभव हमें इंसान बनाते हैं और तर्क हमें समाज। जब दोनों साथ चलते हैं, तभी सच्चा सह-अस्तित्व संभव होता है।

अंततः, यही संपादकीय संदेश है–दूसरों के अनुभवों को सुनिए, समझिए और सम्मान दीजिए; अपने अनुभवों से सीखिए, लेकिन उन्हें थोपिए मत; और तर्क का प्रयोग कीजिए, पर मानवता को साथ रखकर। यही दृष्टि समाज में संतुलन, समझ और वास्तविक प्रगति का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

राजस्थान- गणतंत्र दिवस से पहले पकड़ा पाकिस्तानी घुसपैठिया

तारबंदी क्रॉस करके आया

जासूस होने का शक; बार-बार बदल रहा बयान

भीम प्रज्ञा न्यूज

जैसलमेर। जैसलमेर जिले में नए साल के जश्न के बीच सीमा सुरक्षा बल (BSF) ने घुसपैठ कर रहे पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा है। जिले के नाचना क्षेत्र में बुधवार शाम करीब 8 बजे BSF की 72वीं बटालियन के जवान गश्त पर थे। इसी दौरान हल्के कोहरे के बीच सीमा पार से एक युवक को भारतीय क्षेत्र की ओर आते देखा। जवानों ने सतर्कता बरतते हुए तुरंत घेराबंदी की। जैसे ही संदिग्ध युवक भारतीय सीमा के भीतर दाखिल हुआ, जवानों ने तारबंदी के पास उसे हिरासत में ले लिया। फिलहाल खुफिया एजेंसियां और BSF के अधिकारी उससे गहन पूछताछ कर रहे हैं। गणतंत्र दिवस से पहले पकड़े गए पाकिस्तानी घुसपैठिए के जासूस होने का शक है।

पाकिस्तान के सरगोधा का रहने वाला है

'ऑपरेशन अलर्ट' के तहत पकड़े गए युवक को तुरंत पास की बॉर्डर आउट पोस्ट (BOP) पर लाया गया, जहां प्राथमिक पूछताछ शुरू की गई।

पूछताछ में उसने अपना नाम इशरत (35) पुत्र राणा मोहम्मद असलम बताया। उसने खुद को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सरगोधा जिले का निवासी बताया है। प्रारंभिक तौर पर वह डरा हुआ और सहमा हुआ नजर आया।

बार-बार बदल रहा बयान

बीएसएफ सूत्रों के अनुसार, तलाशी के दौरान उसके पास से कोई हथियार, नक्शा, दस्तावेज या अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई है। पूछताछ के दौरान उसका व्यवहार अस्थिर नजर आया। वह बार-बार अपने बयान बदलता रहा। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत घुसपैठिये का मेडिकल परीक्षण करवाया जा रहा है ताकि उसकी मानसिक स्थिति की पुष्टि हो सके। बीएसएफ के अधिकारी फिलहाल उससे 'जॉइंट इंटेरोगेशन' (संयुक्त पूछताछ) कर रहे हैं, जिसमें सभी सुरक्षा एजेंसियों अधिकारी भी शामिल हैं।

अत्यंत संवेदनशील है नाचना सेक्टर

जैसलमेर का नाचना क्षेत्र सामरिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील माना जाता है। यहां की भौगोलिक परिस्थितियां काफी कठिन हैं। सर्दियों के दिनों में घना कोहरा विजिबिलिटी को शून्य कर देता है। ऐसे में किसी अनजान व्यक्ति का सरगोधा (जो कि पाक वायुसेना का एक प्रमुख केंद्र है) से चलकर जैसलमेर बॉर्डर तक पहुंच जाना कई सवाल खड़े करता है।

जैसलमेर जिले में 2025 में 5 जासूस पकड़े गए

26 मार्च : पहलगाम आतंकी हमले से पहले राजस्थान इंटेलिजेंस ने चांधन फील्ड फायरिंग रेंज के करीब करमों की ढाणी निवासी पठान खान को ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट के तहत गिरफ्तार किया था।

28 मई : राजस्थान इंटेलिजेंस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में सरकारी कर्मचारी व कांग्रेस के पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद के निजी सहायक रहे शकूर खान को डिटेन किया। 3 जून को गिरफ्तार किया।

4 अगस्त : जैसलमेर में DRDO के गेस्ट हाउस मैनेजर महेंद्र प्रसाद को पाकिस्तानी हैंडलर को भारतीय सेना की खुफिया जानकारी भेजने पर पकड़ा।

20 अगस्त: जैसलमेर में जांच एजेंसियों ने जासूसी के आरोप में जीवन खान (25) को पकड़ा था। आरोपी एक रेस्टोरेंट में काम करने आया था। वह पाकिस्तानी नंबरों पर किसी से बात कर रहा था। उसके मोबाइल में कई पाकिस्तानी नंबर सेव मिले हैं।

25 सितंबर: जैसलमेर से एक जासूस हनीफ खान को गिरफ्तार किया है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ISI के लिए भारतीय सेना से जुड़ी गोपनीय सूचनाएं भेज रहा था।

नोखा अस्पताल को महावीर इंटरनेशनल ने 200 बेबी किट दिए

नवजात शिशुओं को संक्रामक रोगों से बचाने में मिलेगी मदद

भीम प्रज्ञा न्यूज

नोखा । महावीर इंटरनेशनल नोखा वीर केंद्र ने राजकीय बागड़ी जिला चिकित्सालय, नोखा को 200 मेडिकेटेड बेबी किट भेंट किए हैं। ये किट जनवरी माह में जन्म लेने वाले नवजात शिशुओं की सुरक्षा के लिए प्रदान किए गए हैं। केंद्र के चेयरमैन सुरेंद्र कुमार हीरावत ने बताया कि इन बेबी किट को नवजात शिशुओं को प्रारंभिक अवस्था में संक्रामक रोगों से बचाने के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। इससे शिशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य शिविर प्रभारी भंवरलाल पींचा ने जानकारी दी कि जनवरी माह के लिए ये 200 बेबी किट तिलोकचंद-दिनेश कुमार समदड़िया परिवार के सौजन्य से उपलब्ध कराए गए हैं। इन्हें प्रसूति वार्ड प्रभारी प्रज्ञा बारूपाल को सौंपा गया।

इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़, डॉ. एम.पी. तिवारी, ईश्वरचंद दूगड़, श्याम सेवक, हेमलता सहित चिकित्सालय का नर्सिंग स्टाफ उपस्थित रहा। प्रसूति वार्ड प्रभारी प्रज्ञा बारूपाल ने इस सहयोग के लिए महावीर इंटरनेशनल नोखा वीर केंद्र का आभार व्यक्त किया।

दोरादास में विधायक का सम्मान, पातूसरी में सुशासन पखवाड़े का समापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विधानसभा क्षेत्र में आयोजित सुशासन पखवाड़े का गुरुवार को पातूसरी में समापन हुआ। इससे पूर्व दोरादास गांव में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में ग्रामीणों ने विधायक राजेंद्र भांबू का अभिनंदन किया। दोरादास में हुई जनसुनवाई में विधायक राजेंद्र भांबू मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। इस अवसर पर विधायक ने विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम के दौरान भामाशाह परिवार द्वारा निर्मित सूर्य जलमंदिर का विधिवत लोकार्पण किया गया।ग्रामीणों ने दोरादास को नई पंचायत का दर्जा दिलाने पर विधायक का आभार जताते हुए सम्मान किया। विधायक ने कहा कि क्षेत्र के प्रत्येक गांव के समग्र विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और विकास कार्यों को संकल्प के साथ समयबद्ध रूप से पूरा कराया जा रहा है।पातूसरी में आयोजित सुशासन पखवाड़े के समापन समारोह में विधायक राजेंद्र भांबू ने कहा कि राज्य सरकार नव उत्थान और नई

पहचान के संकल्प के साथ कार्य कर रही है, जिससे समाज के हर वर्ग को लाभ मिल रहा है। उन्होंने पातूसरी में कुल 39 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में विधानसभा संयोजक मुकेश कड़वासरा, सह-संयोजक बाबूलाल माहिच, गणेश सिंह शेखावत, विश्वंभर पूनिया, गोपाल सिंह, पवन शर्मा, सुरेंद्र भांबू, अर्जुन महला सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कोई व्यक्ति ठंड से न ठिठुरे : पिलानी में डॉ. भीमराव अंबेडकर समता संस्थान ने जरूरतमंदों को बांटी रजाइयां

भीम प्रज्ञा न्यूज़ पिलानी।

मानव सेवा को सर्वोपरि मानते हुए और कड़ाके की ठंड में कोई भी व्यक्ति ठिठुरने को मजबूर न हो, इस भावना के साथ मानवतावादी विचारधारा की संस्था डॉ. भीमराव अंबेडकर समता संस्थान, पिलानी द्वारा गुरुवार को शहर के डॉ. अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर जरूरतमंद लोगों को रजाइयों का वितरण किया गया। कार्यक्रम पिलानी तहसीलदार सोनू आर्य के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ, जबकि अध्यक्षता संस्थान अध्यक्ष डॉ. हरि सिंह सांखला ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मूर्तिकार मातुराम वर्मा, धर्मपाल बौद्ध, डीपीएस विद्यालय के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद शर्मा, मास्टर शंभू दयाल वर्मा तथा संस्थान के उपाध्यक्ष ईश्वर लाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में सभी अतिथियों ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर संस्थान के महासचिव ओमप्रकाश सुनिया ने संस्थान की सामाजिक, शैक्षणिक एवं जनहितकारी गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि समता संस्थान समय-समय पर समाज के जरूरतमंद वर्ग के लिए सहायता कार्य करता रहा है। वहीं नरेंद्र मंडाड़ ने संस्थान द्वारा किए जा रहे विभिन्न सामाजिक सरोकारों और जनकल्याणकारी कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। मुख्य अतिथि सोनू आर्य ने कहा कि बढ़ती ठंड में जरूरतमंदों को रजाई वितरण करना अत्यंत सराहनीय और मानवीय कार्य है। उन्होंने संस्थान की इस पहल की प्रशंसा करते हुए नववर्ष की

शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने कहा कि गरीब, वंचित और असहाय वर्ग के लिए इस प्रकार के सेवा कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के अंत में संस्थान अध्यक्ष डॉ. हरि सिंह सांखला ने सभी अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर के सामाजिक न्याय और समता के विचारों को व्यवहार में उतारना ही संस्थान का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प

नववर्ष 2026 का शाही आगाज़: नीमराना फोर्ट पैलेस में देशी-विदेशी मेहमानों ने मनाया जश्न

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नववर्ष में 2026 का आगाज़ भव्यता और उल्लास के साथ किया गया। ऐतिहासिक नीमराना फोर्ट पैलेस होटल में देशी-विदेशी पर्यटकों की मौजूदगी में शाही अंदाज़ में नए साल का स्वागत हुआ। जैसे ही घड़ी ने रात 12 बजे का समय दिखाया, पूरे फोर्ट परिसर में रंग-बिरंगी आतिशबाजी से आसमान जगमगा उठा और मेहमानों ने एक-दूसरे को गले लगाकर नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। नए साल के जश्न को यादगार बनाने के लिए नीमराना फोर्ट पैलेस में विशेष आयोजन किए गए। लाइव म्यूज़िक, डीजे नाइट और थीम पार्टी ने पर्यटकों को देर रात तक झूमने पर मजबूर कर दिया। युवाओं ने डीजे की धुन पर जमकर डांस किया, वहीं पारंपरिक और अंतरराष्ट्रीय व्यंजनों के साथ केक कटिंग से उत्सव को और भी खास बनाया गया। नीमराना फोर्ट प्लेस के मैनेजर मानवेंद्र सिंह शेखावत का कहना है कि नीमराना फोर्ट प्लेस में नव वर्ष मनाने के लिए पहुंचे सैलानियों ने पहले से ही होटल के 92 कमरे बुक किए गए थे। पिछले साल की तुलना में अबकी बार अधिक संख्या में नव वर्ष का जश्न मनाने पर्यटक पहुंचे हैं। सैलानियों के लिए नव वर्ष का जश्न बनाने के लिए विशेष रूप से डीजे, रंग-बिरंगे सजावट, जश्न के दौरान राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शुरुआत की गई। नव वर्ष के जश्न में डीजे की धुन पर देसी विदेशी मेहमान नव वर्ष का जश्न मनाया गया। सैलानियों का नीमराना फोर्ट प्लेस होटल मैनेजर मानवेंद्र सिंह शेखावत, सुरक्षा प्रबंधक इंचार्ज हरबीर सिंह गुर्जर, घनश्याम शर्मा सहित स्टाफ के द्वारा स्वागत किया गया। पर्यटन विभाग के अनुसार, नववर्ष का जश्न मनाने के लिए इस बार राजस्थान में 5 लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे, जिनमें बड़ी संख्या में विदेशी सैलानी भी शामिल रहे। नीमराना फोर्ट पैलेस जैसे हेरिटेज होटलों ने राज्य के पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया और नववर्ष 2026 की शुरुआत को यादगार बना दिया।

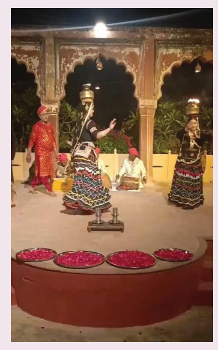

वर्ष 2026 में लें संकल्प

...बनें सामाजिक और राष्ट्रीय पुनर्जागरण के वाहक

आधुनिक जीवनशैली में सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि सुविधा बढ़ी है, लेकिन स्वास्थ्य घटा है। बीमार शरीर और अशांत मन किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति में बाधक बनते हैं।

नया वर्ष केवल तिथि परिवर्तन का संकेत नहीं होता, वह आत्ममूल्यांकन और आत्मपुनर्निर्माण का अवसर होता है। जब एक वर्ष समाप्त होता है, तब केवल समय नहीं गुजरता, अपितु हमारे अनुभव, हमारी आदतें और हमारी चेतना भी एक पड़ाव पर पहुंचती है। वर्ष 2026 ऐसे समय में दस्तक दे रहा है, जब मानव समाज अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। तकनीकी प्रगति जहां जीवन को सुविधाजनक बना रही है, वहीं सामाजिक संबंधों, मानसिक स्वास्थ्य और नैतिक मूल्यों के समक्ष नई चुनौतियां भी खड़ी कर रही है। भारतीय चिंतन परंपरा में व्यक्ति को समाज और राष्ट्र की आधारशिला माना गया है। %यथा व्यक्ति, तथा राष्ट्र%, यह सूत्र आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। वेदों में कहा गया है, यद् भावं तद् भवति अर्थात जैसा भाव, वैसा भविष्य। स्पष्ट है, जब संकल्प आदत बनते हैं, आदत संस्कार बनती है और संस्कार से इतिहास रचा जाता है। ऐसे में वर्ष 2026 के लिए संकल्प केवल व्यक्तिगत सुधार तक सीमित न रहें, अपितु वे सामाजिक और राष्ट्रीय पुनर्जागरण के वाहक बनें। इसी भावभूमि पर ये दस संकल्प आधारित हैं-

स्वास्थ्य : जीवन की मूल पूंजी

आधुनिक जीवनशैली में सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि सुविधा बढ़ी है, लेकिन स्वास्थ्य घटा है। बीमार शरीर और अशांत मन किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति में बाधक बनते हैं। वर्ष 2026 का प्रथम और सर्वोच्च संकल्प स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना होना चाहिए। स्वास्थ्य का अर्थ केवल रोगमुक्त होना नहीं, बल्कि शारीरिक स्फूर्ति, मानसिक संतुलन और भावनात्मक स्थिरता का समन्वय है। योग, प्राणायाम, ध्यान और संतुलित आहार भारतीय जीवन पद्धति की ऐसी धरोहर हैं, जिनकी प्रासंगिकता आज वैश्विक स्तर पर स्वीकार की जा रही है। यजुर्वेद की प्रार्थना है, सर्वे भवन्तु सुखिन:, सर्वे सन्तु निरामया:, यह स्पष्ट करती है कि स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत नहीं, सामाजिक लक्ष्य भी है।

डिजिटल अनुशासन : तकनीक पर नियंत्रण, न कि अधीनता

डिजिटल क्रांति ने सूचना को सुलभ बनाया है, लेकिन सूचना की अधिकता ने विवेक को चुनौती दी है। सोशल मीडिया, आभासी दुनिया और त्वरित प्रतिक्रियाओं की संस्कृति ने हमारे समय, ध्यान और संवेदनशीलता को प्रभावित किया है। वर्ष 2026 का दूसरा संकल्प डिजिटल अनुशासन होना चाहिए। तकनीक का प्रयोग ज्ञानवर्धन और रचनात्मकता के लिए हो, न कि भ्रम और नकारात्मकता के प्रसार के लिए। फेक न्यूज से दूरी, सोशल मीडिया पर मर्यादा और बच्चों के डिजिटल आचरण पर सजग दृष्टि, यह

सब आधुनिक नागरिकता के आवश्यक तत्व हैं। इस संदर्भ में ईशोपनिषद का सूत्र अत्यंत प्रासंगिक है, तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा अर्थात संयमपूर्वक उपभोग करो।

निरंतर सीखना : प्रगति का स्थायी सूत्र

आज का युग स्थिर ज्ञान का नहीं, निरंतर अधिगम का युग है। जो सीखना बंद करता है, वह समय से पीछे छूट जाता है। वर्ष 2026 का तीसरा संकल्प सीखने की निरंतरता होना चाहिए। हर माह एक नई पुस्तक, एक नई कौशल-विधा, एक नई भाषा या एक नया दृष्टिकोण, यह अभ्यास व्यक्ति को बौद्धिक रूप से सजग बनाए रखता है। बृहदारण्यक उपनिषद का मंत्र है, असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय अर्थात सीखने की निरंतर प्रक्रिया का प्रतीक है।

आत्मनिर्भरता : स्वावलंबन से राष्ट्रीय सशक्तीकरण तक

आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक अवधारणा नहीं, यह आत्मसम्मान और आत्मविश्वास का प्रतीक है। वर्ष 2026 का चौथा संकल्प स्वावलंबन की दिशा में निरंतर प्रयास होना चाहिए। स्थानीय उत्पादों का उपयोग, स्वदेशी उद्यमों का समर्थन और स्वयं की क्षमताओं पर विश्वास, ये छोटे कदम राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाते हैं। जब नागरिक आत्मनिर्भर होता है, तब राष्ट्र निर्भर नहीं रहता। अथर्ववेद में कहा गया है, स्वधर्मे निधनं श्रेय: यानी अपना मार्ग, अपना कर्म ही श्रेष्ठ है।

पर्यावरण संरक्षण : विकास और प्रकृति का संतुलन

प्रकृति के दोहन की कीमत अब मानवता चुका रही है। जलवायु असंतुलन, प्रदूषण और प्राकृतिक आपदाएं चेतावनी हैं कि विकास की दिशा पर पुनर्विचार आवश्यक है। वर्ष 2026 का पांचवां संकल्प पर्यावरण-संवेदनशील जीवनशैली होना चाहिए। जल, जंगल और जमीन के प्रति जिम्मेदारी केवल नीति का विषय नहीं, बल्कि नागरिक आचरण का प्रश्न है। छोटे प्रयास जैसे ऊर्जा बचत, प्लास्टिक से परहेज और पौधारोपण, बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं।

समय और अनुशासन : सभ्य समाज की पहचान

अनुशासन वह सेतु है, जो विचार और क्रिया को जोड़ता है। वर्ष 2026 का छठा संकल्प समय और अनुशासन के प्रति सम्मान होना चाहिए। समयपालन, कार्य-संस्कृति और सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदार व्यवहार किसी भी विकसित समाज की पहचान होते हैं। अनुशासन दमन नहीं, बल्कि आत्मनियंत्रण की परिपक्व अवस्था है।

परिवार और संबंध : सामाजिक स्थिरता की धुरी

आधुनिकता की दौड़ में परिवार और संबंध हाशिए पर जा रहे हैं। वर्ष 2026 का सातवां संकल्प रिश्तों को पुन: केंद्र में लाना होना चाहिए। संवाद, सहानुभूति और समय, ये तीन तत्व परिवार को जोड़ते हैं। जब परिवार मजबूत होता है, तब समाज स्वत: सुदृढ़ हो जाता है।

सामाजिक दायित्व : नागरिकता का वास्तविक अर्थ

समाज से लेना जितना सहज है, उतना ही आवश्यक समाज को लौटाना है। वर्ष 2026 का आठवां संकल्प सामाजिक सहभागिता होना चाहिए। सेवा के छोटे कार्य, चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो या मानवीय सहायता, सामूहिक चेतना को जाग्रत करते हैं। सामाजिक उत्तरदायित्व लोकतंत्र की आत्मा है।

सकारात्मक दृष्टि : मानसिक सशक्तीकरण का आधार

नकारात्मकता विचारों को जकड़ लेती है। वर्ष 2026 का नौवां संकल्प सकारात्मक और समाधान-उन्मुख सोच होना चाहिए। आत्मविश्वास, धैर्य और आशावाद जीवन की कठिनाइयों को अवसर में बदलने की क्षमता देते हैं। सकारात्मक व्यक्ति ही परिवर्तन का प्रेरक बनता है।

सांस्कृतिक चेतना : जड़ों से जुड़ाव

वैश्विक मंच पर मजबूती से खड़े होने के लिए सांस्कृतिक आत्मबोध आवश्यक है। वर्ष 2026 का दसवां संकल्प भारतीय संस्कृति और मूल्यों का संरक्षण व संवर्धन होना चाहिए। भाषा, परंपरा, इतिहास और नैतिक मूल्य हमारी पहचान हैं। इन्हें जानना और जीना ही सांस्कृतिक उत्तराधिकार को सुरक्षित रखता है।

नव वर्ष की पुकार : पैसा या पर्यावरण ?

दिन, महीने और वर्ष यूँ ही गुजरते रहेंगे। आज़ादी के आठ दशकों की यात्रा में हम आगे बढ़े हैं, परंतु स्वच्छ राजनीति और नैतिक शासन का अभाव आज भी बना हुआ है। यह प्रश्न अब टालने योग्य नहीं रहा कि राजनेता, उद्योगपति और प्रशासन मिलकर देश को आखिर किस दिशा में ले जा रहे हैं। आज हर ओर पैसे का तांडव दिखाई देता है। आवश्यकता से अधिक प्रकृति का दोहन हो रहा है, और आमजन की मौन स्वीकृति इस विनाश को और तेज़ कर रही है। यह चुप्पी हमें किस प्रकार की आज़ादी की ओर ले जा रही है? स्वतंत्रता की लड़ाई स्वशासन और जनकल्याण के लिए लड़ी गई थी, किंतु आज हम जीवन के मूल प्रश्नों को छोड़कर जाति और धर्म तक सीमित होते जा रहे हैं। हम सोचने, समझने और गलत को गलत कहने की नैतिक हिम्मत खोते जा रहे हैं। शायद अब जुबान पर चुप्पी रखना ही सुरक्षित विकल्प मान लिया गया है। यही कारण है कि पर्यावरण दूषित हो रहा है, पेड़ कटते जा रहे हैं, अरावली की खुलेआम लूट हो रही है और वनस्पतियों व जीव-जंतुओं का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। भ्रष्टाचार सिर चढ़कर बोल रहा है। महिला अत्याचार बढ़ रहे हैं, कानून व्यवस्था से लोगों का विश्वास डगमगा रहा है। पंचायत प्रतिनिधियों से लेकर विधायक और सांसदों तक पर भरोसा लगातार कम हो रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि समाज ने रुपया-पैसा ही सब कुछ मान लिया है।

पर क्या यही विकास है?

क्या यह प्रवृत्ति इंसान की समझदारी को दर्शाती है?

कोरोना काल की तस्वीर हम सबने देखी। उस समय सबसे सुरक्षित वही व्यक्ति था जो ग्रामीण क्षेत्रों, खेतों और ढाणियों में प्रकृति के समीप जीवन जी रहा था। जब मनुष्य शुद्ध वातावरण नहीं दे सकता, तो उसे वातावरण बिगाड़ने का अधिकार किसने दिया? हमारे पूर्वज भले ही साक्षर न रहे हों, पर वे अनपढ़ नहीं थे। उनकी दूरदृष्टि अद्भुत थी। जब मीठे पानी के लिए लोग तरसते थे, तब वे दूर-दराज के जंगलों में भी जीव-जंतुओं के लिए पानी की व्यवस्था करते थे। पानी का महत्व इतना था कि घर आए मेहमान को घी पिलाने तक की तैयारी रहती थी, पर पीने का पानी दुर्लभ था। इसके बावजूद उनकी सोच जल, जंगल और जीव-जंतुओं के संरक्षण पर केंद्रित थी। यह व्यवस्था पीढ़ियों तक चली आई। प्रकृति हमें सब कुछ दे सकती है, पर अपने साथ खिलवाड़ सहन नहीं करती। यदि कोरोना जैसी कोई और महामारी आ गई, जहाँ ऑक्सीजन तक की कमी हो जाए, तो क्या पैसा हमें बचा पाएगा? जब पर्यावरण ही नष्ट हो जाएगा, तब हम क्या करेंगे? दुर्भाग्य से सरकारें आज तक ग्रामीण विकास और स्वराज आधारित मॉडल प्रस्तुत नहीं कर पाईं। विकास को केवल इमारतें खड़ी करने तक सीमित कर दिया गया। इन इमारतों में बुनियादी संसाधनों और मानवीय संवेदनाओं की उपेक्षा हुई। जनभागीदारी केवल कागज़ों तक सिमट कर रह गई। कृषि क्षेत्र में उत्पादन बढ़ाने के नाम पर रासायनिक खादों के प्रयोग को बढ़ावा दिया गया। मंशा भले ही सही रही हो, पर इसके दुष्परिणाम आज सामने हैं। हमारे पारंपरिक ज्ञान, अनुभव और विधियाँ धीरे-धीरे लुप्त होती चली गईं। किसी भी व्यवस्था को लागू करने से पहले उसके दीर्घकालिक प्रभावों पर गंभीर चिंतन नहीं किया गया। आज जनता देख रही है कि नेता, प्रशासन और माफिया की मिलीभगत से ज़मीनें बिना सोचे-समझे कंपनियों को सौंपी जा रही हैं। योजनाओं का नाम भले ही हरित ऊर्जा हो, पर ज़मीन पर हरित का विनाश हो रहा है। स्थानीय लोगों, सामुदायिक हितों और जीव-जंतुओं के संरक्षण के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं—क्या सरकार के पास इसका कोई पारदर्शी खाका है? क्या नीति-निर्धारक बंद कमरों से बाहर आकर ज़मीनी सच्चाई देखेंगे? भौतिकवाद की चकाचौंध को यदि विकास कहा जाएगा, तो याद रखें— इतना विकास भी घातक है कि हम ढंग से सांस तक न ले सकें। नव वर्ष हमें चेतावनी भी देता है और अवसर भी। आज की चुनौतियों को अवसर मानकर विचार-मंथन और जनसंवाद की आवश्यकता है। स्वच्छ लोकतंत्र की नींव रखने के लिए पारदर्शिता की जड़ों को मजबूत करना होगा और आमजन की अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना होगा।

पर्यावरण-संवेदनशील जनजीवन मॉडल का नवाचार आज समय की मांग है। स्वच्छ लोकतंत्र में युवाओं की भूमिका केवल चुनाव तक सीमित नहीं हो सकती। गरीबी, कुपोषण, भ्रष्टाचार, हिंसा और बेरोज़गारी की बेड़ियों से मुक्त समाज के निर्माण के लिए युवाओं को अब गंभीर मंथन और कर्मपथ अपनाना होगा।

इस परिवर्तन की पहली सीढ़ी त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था है, जहाँ युवाओं को वास्तविक अवसर मिलता है। यहाँ से सामाजिक समरसता, जवाबदेही और सतत विकास की नींव रखी जा सकती है।

नव वर्ष की यही पुकार है — पैसा नहीं, पर्यावरण ही भविष्य है।

-कपिल गौड़ बीकानेर
ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विशेषज्ञ

कृत्रिम बुद्धिमता: एआई, नया साल और 2035 के संकेत

एआई के विकास को देखते हुए द गार्जियन के स्तंभकार बताते हैं कि 2026 अलग होगा। पर सवाल है कि 2035 कैसा होगा?

जब 2035 आएगा, तो चिकित्सा के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई का ही बोलबाला होगा। इलाज के लिए डॉक्टरों के रिसेप्शनिस्ट से बात करने की खातिर सुबह-सुबह की भागदौड़ खत्म हो जाएगी। मरीज अपने एआई चिकित्सक को बीमारियों के बारे में बताएंगे। वह तेजी से मरीज की मेडिकल हिस्ट्री से जानकारी मिलाएगा और शुरुआती उपचार देगा। एआई मरीज की बीमारी के तथ्यों को हजारों चिकित्सकीय अध्ययनों से मिला सकता है, और ताजा शोध के आधार पर दवाएं सुझा सकता है, जिसे कोई इन्सानी डॉक्टर पूरी तरह से समझ नहीं सकता। चिकित्सकीय जांच बहुत ज्यादा परिष्कृत और थोड़ी आक्रामक हो जाएगी। दवाएं बिल्कुल आपके शरीर तथा उसकी जरूरतों के हिसाब से बनाई जा सकेंगी। बेहतर डॉक्टर वही होंगे, जो एआई के नतीजों को समझने में सबसे ज्यादा माहिर होंगे। न्याय के क्षेत्र में देखें, तो सुनवाई की तैयारी कर रहे वकीलों ने मामले से संबंधित कानून ढूंढने और दलीलें तैयार करने का काम एआई को सौंपना सीख लिया है, जो उन्हें अदालत में सबसे बेहतर दलील देने का तरीका बताता है। नए, ज्यादा मजबूत आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (एजीआई) सिस्टम कई दिनों के काम को कुछ ही घंटों में पूरा कर देते हैं, जिससे वकील को सिर्फ एआई के सुझावों को जांचने का काम करना होता है। एक प्रयोग शुरू किया गया है, जिसमें एआई को इन्सानी जज और जूरी के सामने केस लड़ने की इजाजत दी गई। इसके प्रभावकारी नतीजे भी मिले हैं। रोजमर्रा के कामों की बात करें, तो पहनने लायक एआई डिवाइस, जैसे चश्मे, घड़ियां और अंगूठियां, अब हर जगह आम हो गए हैं। ये अतिरिक्त इंद्रियों की तरह काम करते हैं, हमारे आसपास की उन चीजों को पहचानते हैं, जिन्हें हम नजरअंदाज कर देते हैं-जैसे फ्रिज में अंडे कम हो रहे हों, या ये हमारी बातचीत को भी रिकॉर्ड करते हैं, ताकि बाद में हमें भूली हुई बातें याद दिला सकें। आप इन्फॉर्मेशन एजेंट की मदद से अपने दिन की शुरुआत कर सकते हैं। जब आप सुबह उठते हैं और अपने दांत साफ कर रहे होते हैं, तो यह आपको खबरों का सारांश तथा मतलब पढ़कर सुनाता है। यह आपको कुछ गहरी समझ दे सकता है। 2035 में एआई खेती-बाड़ी के काम में भी भूमिका निभाता दिख रहा है। एक किसान का काम

बहुत थकाने वाला होता है, जिसमें वह जानवरों, फसलों, चारे की आपूर्ति और मशीनरी की देखभाल की जांच करता है। पेड़ों, खलिहानों, बाड़ के खंभों और घूमने वाले रोबोट पर लगे कैमरों व सेंसर की मदद से, हर खेत उत्पादकता एवं जानवरों की देखभाल में मदद करने के लिए बहुत सारे आंकड़े भेजता है। एक दशक बाद दुनिया भर के लाखों खेतों से मिले आंकड़ों की मदद से, एआई न सिर्फ यह सलाह देगा कि क्या और कब बोना है, बल्कि यह भी बताएगा कि मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र कैसे बनाएं और मिट्टी की सेहत कैसे सुधारें। एआई संचालित रोबोट खेतों में घूमकर खरपतवारों को खत्म करने के अलावा कीटनाशकों की जरूरत को कम कर सकते हैं। सामाजिक जीवन को देखें, तो एआई की मदद से लाखों व्हाइट-कॉलर कर्मचारियों को अपने काम तेजी से निपटाने तथा आराम के लिए वक्त मिल रहा है। एआई एक 'दोस्त' या कोच की तरह काम कर सकता है। यह आपको सलाह दे सकता है कि दूसरे कर्मचारी के साथ नरमी से पेश आएं, क्योंकि वे थोड़े तनावग्रस्त लग रहे हैं। मीटिंग के दौरान आपको इस तरह की मदद मिलती है, जो आपको बेहतर ढंग से बातचीत करने में मदद करती है। जैसे ही बातचीत खत्म होती है, एआई आपको इस मीटिंग के बाद किए जाने वाले अगले कदमों की एक सूची भेजता है और इसे आपके प्रोजेक्ट प्लान में डाल देता है। जैसे ही आप अपनी डेस्क पर पहुंचते हैं, आपका एआई असिस्टेंट वे दस्तावेज लाकर देता है, जिनकी आपको जरूरत होती है। लेकिन जल्द ही लोगों को एहसास होगा कि वे कम काम में भी गुजारा कर सकते हैं।

विद्वानों का कहना है कि फुर्सत का मतलब आराम से काम और रचनात्मक गतिविधियों, लोगों से मिलने-जुलने तथा बच्चों या बुजुर्गों की देखभाल करने से ज्यादा होगा। लेकिन ज्यादा खाली समय मिलने से एक नई समस्या भी पैदा हो सकती है-बड़े पैमाने पर बोरियत। एक ऐसी पीढ़ी जो नौ से पांच की नौकरी की आदी थी, उसे तालमेल बिठाने में थोड़ी मुश्किल हो सकती है।- साथ में डैन मिल्मो

गूगल डिस्को

यह उन्नत एआई-सक्षम वेब ब्राउजर परंपरागत वेब ब्राउजर की तुलना में अलग ढंग से काम करता है। जहां सामान्य ब्राउजिंग में आप कई टैब खोलकर जानकारी खोजते हैं, वहीं यह खुले टैब्स को जरूरत के हिसाब से तुरंत छोटे-छोटे इंटरैक्टिव वेब एप्स (जेनटैब्स) में बदल देता है, ताकि आप अपना काम आसानी से व तेजी से पूरा कर सकें। उदाहरण के लिए, अगर आप यात्रा की योजना बना रहे हैं, पढ़ाई का सारांश लिख रहे हैं या किसी जटिल विषय पर शोध कर रहे हैं, तो डिस्को इन टैब्स को समझकर एक कस्टम, इंटरैक्टिव टूल तैयार कर देगा, जिसे आप अपनी भाषा में आदेश देकर बदल भी सकते हैं। इसके लिए आपको कोड लिखने की जरूरत नहीं होगी।

सांग मंचन में फर्जीवाड़ा करने वाली संस्था और सांगी पर कड़ी कार्रवाई करने की उठाई मांग

सांग सम्राट मास्टर नेकीराम साहित्य कला मंच का प्रतिनिधिमंडल जल्द सीएम से मिलकर करेगा शिकायत

भीम प्रज्ञा न्यूज़ आलोक भंडारिया@रेवाड़ी।

हरियाणा कला परिषद, रोहतक मंडल के सहयोग से गांव उमरावत में कराए गए पांच दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के पहले दिन हुए सांग मंचन पर सांग सम्राट मास्टर नेकीराम साहित्य कला मंच ने विरोध जताते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मंच के अध्यक्ष व पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी सुंदरलाल भांडोरिया और खजांची राष्ट्रपति अवॉर्डी चौधरी भूपेंद्र सिंह ने आयोजक संस्था म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन पर नियमों की अनदेखी और धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए कहा कि पहले दिन सांग मंचन के लिए सांगी राजेश उर्फ राजेश तूफान के नाम से अनुमति ली गई थी, जबकि सांग मंचन बाबूदान सिंह से कराया गया। उन्होंने बताया कि जब राजेश उर्फ राजेश तूफान नाम का कोई सांगी नहीं है तो उसके नाम पर परमिशन कैसे ली गई। यह हरियाणा कला परिषद और सरकार को गुमराह करने का गंभीर मामला है। यहां तक कि आयोजक संस्था से जुड़े लोगों ने सोशल मीडिया और बैनर इत्यादि में इसका भरपूर प्रचार-प्रसार भी किया। उन्होंने बताया कि सांगी बाबूदान सिंह वो ही व्यक्ति जोकि सांग मंचन के नाम पर

हरियाणा सरकार से लाखों रुपए सरकारी अनुदान लेने के बाद हरियाणवी संस्कृति की दुर्दशा के लिए सरकार को ही जिम्मेदार ठहरा चुका है। इतना ही नहीं इसने अपने सांग में रेवाड़ी के गांव जैतड़ावास निवासी हरियाणा के प्रसिद्ध सांग सम्राट व लोक कवि मास्टर नेकीराम की कई रागनियों की छाप सरेआम काटी और कटवाई है। जिसके वीडियो प्रमाण के रूप में देखे जा सकते हैं। इस घटना के बाद सांग सम्राट मास्टर नेकीराम के प्रशंसकों और मंच के पदाधिकारियों ने सरकार और संबंधित विभाग को पत्र लिखकर इस पर कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। यहां तक कि संबंधित विभाग/संस्था द्वारा इस पर सख्त कार्रवाई अमल में लाई गई। हरियाणा कला परिषद के निदेशक नागेंद्र शर्मा ने शिकायत करने वाली संस्था के प्रतिनिधि को दूरभाष पर इसके सांग मंचन पर रोक लगाने की जानकारी दी। इसके बावजूद उसी व्यक्ति से सांग मंचन कराना बेहद निंदनीय है। मंच के पदाधिकारियों का कहना है कि आयोजक संस्था द्वारा सरकार और संबंधित स्वायत्तशासी संस्था को धोखे में रखकर दूसरे सांगी के नाम पर परमिशन क्यों ली गई ? अगर परमिशन ली भी गई तो फिर उसी से सांग मंचन क्यों नहीं कराया गया ? उसके स्थान पर बाबूदान सिंह से ही सांग मंचन क्यों कराया गया ? जिसके नाम पर परमिशन ली गई, उससे बाबूदान सिंह के सांग में मुख्य स्त्री पात्र का अभिनय क्यों कराया गया ? उन्होंने कहा कि यह सरकार और संबंधित संस्था को गुमराह करने का गंभीर मामला है। मंच ने मांग की है कि आयोजक संस्था, सांग मंचन करने वाले सांगी तथा जिसके नाम पर अनुमति ली गई है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए पहले दिन के सांग मंचन के पारिश्रमिक पर तुरंत रोक लगाई जाए। साथ ही इस फर्जीवाड़े में शामिल राजेश उर्फ राजेश तूफान नामक सांगी को भी बाबूदान सिंह की तरह ब्लैक लिस्ट किया जाए। उन्होंने कहा कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए मंच का प्रतिनिधिमंडल जल्द ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और संबंधित विभाग के अधिकारियों से भी मुलाकात करेगा और उन्हें सबूतों के साथ लिखित शिकायत सौंपेगा।

गोकुला जाट का शहादत दिवस मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

गुरुवार को कामरेड हुकमसिंह की अध्यक्षता में गोकुला जाट का शहादत दिवस मनाया गया। उनकी पूण्य तिथि पर पहले हवन किया गया।कार्यक्रम का संचालन कर रहे वीर तेजाजी विकास संस्थान के अध्यक्ष जगदेव सिंह खरड़िया ने बताया कि जब मुग़ल बादशाह औरंगजेब ने किसानों का भूमि का लगान बढा दिया तथा हिन्दू धर्मावलंबियों का उत्पीड़न शुरू कर दिया तो गोकुल सिंह जाट ने इसका विरोध किया और मुगलों से मुकाबला करने के लिए एक 20000 किसान जवानों की फोज का निर्माण किया। जिसमें सभी जातियों के लोग शामिल थे। उन्होंने लगान देने से मना कर दिया। औरंगजेब ने अपने सेनापति अब्दुल गनी खान को विद्रोह को कुचलने के लिए भेजा।तिलपत के युद्ध में किसानों ने मुगल सेनापति को मार डाला व विजय प्राप्त की। औरंगजेब ने दुसरी बार अपनी पुरी ताकत के साथ किसानों पर आक्रमण किया। किसानों की हार हुई और गोकुला जाट को पकड़ कर हाथियों से बांधकर बोटी-बोटी काटकर मार डाला।गोकुला के सामने यह शर्त रखी गई थी कि वह इस्लाम धर्म स्वीकार कर ले और किसान विद्रोह को समाप्त कर दे लेकिन उसने दोनों शर्तें ठुकरा दी।भारत में मुगलों के विरूध्द संगठित विद्रोह करने वाले प्रथम किसान और हिन्दू नेता थे।इस अवसर पर बिजेंद्र लुनायच, रेशमा देवी, नाहर सिंह, सुमेर सिंह, हवासिंह, बजरंग पहलवान, बिशनसिंह, महावीर, राजेश झाड़ियां, रोशनी देवी, सरोज देवी, प्रिया, निकिता, सुभाष पुनियां, बलवान प्रधान, सुरेन्द्र भाटिया आदि उपस्थित थे।

मंडावर विद्युत विभाग कार्यालय पर आईटी ऑपरेटर महेशचंद सरसैनिया की हुई सम्मानित विदाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । विद्युत विभाग मंडावर में गुरुवार का दिन भावनाओं, सम्मान और साथ निभाने की अद्भुत परंपरा का गवाह बना, जब बीसीआईटीएस कंपनी की ओर से बिलिंग, उपभोक्ता डेटा प्रबंधन और डिजिटल सर्विस संचालन का दायित्व निभा रहे आईटी ऑपरेटर महेशचंद सरसैनिया को उनके सफल कार्यकाल पूर्ण होने पर विभागीय स्टाफ ने पारंपरिक साफा व माला पहनाकर गरिमामयी विदाई दी। लंबे समय से मंडावर में तैनात महेशचंद सरसैनिया ने बिलिंग सॉफ्टवेयर से लेकर हार्डवेयर समस्या समाधान, उपभोक्ता डेटा अपडेट, ऑनलाइन पोर्टल संचालन, मीटर डेटा सिंक, सर्वर मेंटेनेंस और शिकायत निस्तारण जैसी तकनीकी सेवाओं को जिस दक्षता, समयबद्धता और बिना त्रुटि के निभाया, उसने विभाग को हमेशा सुचारु रूप से चलाने में अहम भूमिका निभाई। इसी उत्कृष्ट तकनीकी सेवाभाव और सधे हुए कार्यप्रणाली के कारण उनकी विदाई का अवसर पूरे स्टाफ के लिए भावुक क्षण लेकर आया। सहायक अभियंता कार्यालय में आयोजित इस सराहनीय और अपनत्व भरे समारोह में महेशचंद सरसैनिया स्वयं भी स्टाफ के सम्मान से अभिभूत होकर भावुक दिखाई दिए और उन्होंने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग, विश्वास और अपनत्व के लिए समस्त विद्युत विभाग परिवार का हृदय से आभार जताया। विभागीय कर्मचारियों ने उन्हें मिठाई खिलाकर, शुभकामनाएँ देकर और सम्मानसूचक साफा-माला पहनाकर उज्जवल भविष्य की मंगलकामनाएँ दीं। कार्यक्रम के दौरान कनिष्ठ अभियंता हरेन्द्र जाटव, सहायक राजस्व अधिकारी मुखराम गुर्जर, लोकेश मीना, राधेश्याम मीना, महेश प्रजापत, ममता मीना, कंचन सखरानी, मनीषा गुप्ता सहित अनेक कर्मचारी मौजूद रहे।

हरियाणा पुलिस प्रशासन अनुसूचित जाति समाज के उत्पीड़न सम्बंधित शिकायतों को कर रही है बेवजह अनदेखा -एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा

आल इंडिया डॉ भीमराव अम्बेडकर एडवोकेट्स एक्सन फ्रंट के राष्ट्रीय चैयरमेन डॉ सुधीर रंगा ने भी इस सम्बन्ध में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को लिखा पत्र

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झज्जर/टोहाना।

रजत रंगा । हरियाणा प्रदेश में दलित समाज उत्पीड़न की हो रही घटनाओं में बढ़ोतरी पर चिंता जताते हुए विभिन्न दलित संगठनों ने झज्जर में आल इंडिया डॉ भीमराव अम्बेडकर एडवोकेट्स एक्सन फ्रंट के राष्ट्रीय चैयरमेन सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट डॉ सुधीर रंगा की अध्यक्षता में मिटिंग का आयोजन किया गया जिसमें हरियाणा के विभिन्न दलित संगठनों ने बढ़-चढ़ हिस्सा लिया।मिटींग में हरियाणा भीम आर्मी लीगल विंग,आल इंडिया डॉ भीमराव अम्बेडकर एडवोकेट्स एक्सन फ्रंट, हरियाणा दलित समाज सभा, हरियाणा कबीर समाज सभा के

पदाधिकारियों ने अपने सम्बोधन में हरियाणा में दलितों पर हो रहे अत्याचार पर हरियाणा पुलिस द्वारा उचित समय पर उचित कार्रवाई नहीं करने पर आक्रोश जताया और हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग व राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्षों को इस सम्बन्ध में शिकायत पत्र के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई कि दलित समाज पर उत्पीड़न सम्बन्धी शिकायतों पर हरियाणा पुलिस को शीघ्र कार्यवाही कर समस्या का उचित समाधान करने को कहा है। भीम आर्मी लीगल विंग के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट चौधरी विजय कृष्ण रंगा टोहाना ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को इस सम्बन्ध में आक्रोश व्यक्त किया है कि हरियाणा में ही दलितों पर अत्याचार की बढ़ती संख्या से दलित समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है।आल इंडिया डॉ भीमराव अम्बेडकर एडवोकेट्स एक्सन फ्रंट के राष्ट्रीय चैयरमेन एडवोकेट डॉ सुधीर रंगा ने आगामी 4फरवरी को हरियाणा के सभी जिलों व राज्य स्तरीय दलित समाज संगठन हरियाणा के राज्यपाल को दलित समाज के उत्पीड़न मामले में जांच व कार्यवाही में हरियाणा पुलिस द्वारा उचित समय पर उचित कार्रवाई न करने सम्बन्धी ज्ञापन सोपेगें।

भोजासर बड़ा में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का भव्य अनावरण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

नववर्ष के अवसर पर गुरुवार को भोजासर बड़ा गांव, विधानसभा क्षेत्र लक्ष्मणगढ़ में भारतीय संविधान निर्माता, विश्व रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का भव्य अनावरण कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक समरसता और भाईचारे का अनुपम उदाहरण देखने को मिला। प्रतिमा अनावरण समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष विनोद जाखड़ रहे। उनके साथ कार्यक्रम में एडवोकेट नंदकिशोर दानोदिया, एडवोकेट जयस्वामी कल्याण, नेमीचंद रैवासा, एडवोकेट अरविंद नारवारा, रवि वर्मा, लेखराज लूणिया सहित टीम के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।अतिथियों ने विधिवत रूप से बाबा साहब की प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने बाबा साहब डॉ. अंबेडकर के विचारों, संविधान निर्माण में उनके ऐतिहासिक योगदान और सामाजिक न्याय के लिए किए गए संघर्षों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के आदर्श आज भी समाज को

समानता, शिक्षा और अधिकारों के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर अतिथियों ने भोजासर बड़ा गांव के सभी वर्गों और समुदायों के लोगों का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी इसी तरह भाईचारा और एकता बनाए रखने का आह्वान किया। समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण, सामाजिक कार्यकर्ता और युवा मौजूद रहे, जिससे आयोजन और भी गरिमामय बन गया।

कुलदीप सिंह जागावत बने अभाविप के राज्य विश्वविद्यालय कार्य प्रदेश संयोजक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सांगानेर/जयपुर।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (ABVP) जयपुर प्रांत का 61वां प्रांत अधिवेशन सांगानेर स्थित पूर्णिमा यूनिवर्सिटी में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा उपस्थित रहें।अधिवेशन के अंतिम घोषणा सत्र में प्रांत अध्यक्ष डॉ. जिनेश जैन ने आगामी सत्र के लिए नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की। इस दौरान चिड़ावा क्षेत्र के कुतुबपुरा गाँव निवासी कुलदीप सिंह जागावत को राज्य विश्वविद्यालय कार्य प्रदेश संयोजक के महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया गया है।

अनुभवी नेतृत्व और सक्रियता

कुलदीप सिंह का संगठन में पुराना और सक्रिय इतिहास रहा है। इससे पूर्व वे अभाविप में नगर सहमंत्री, जिला सोशल मीडिया संयोजक जैसे विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वर्तमान में वे चूरू जिला संयोजक के रूप में कार्य कर रहे थे। संगठन के प्रति आभार अपनी नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त करते हुए कुलदीप सिंह जागावत ने कहा 'मुझ जैसे ग्रामीण परिवेश से आने वाले एक छोटे से कार्यकर्ता पर संगठन ने जो विश्वास जताया है, उसके लिए मैं संगठन का अत्यंत आभारी हूँ। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन में राष्ट्र हित के लिए कार्य करने का अवसर मिला।' उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता को देते हुए कहा कि उनके सहयोग के कारण ही वे पूरी लगन से कार्य कर पाते हैं। उन्होंने संकल्प लिया कि वे पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने और संगठन को नई गति देने का प्रयास करेंगे।

भादसा अकादमी द्वारा 7वां वार्षिक सम्मान समारोह कल

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर/चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । जयपुर शास्त्री नगर में स्थित साइंस पार्क ऑडिटोरियम में 3 जनवरी को दोपहर 12:00 से भारतीय दलित साहित्य अकादमी राजस्थान के तत्वावधान में 7वां माता सावित्रीबाई फूले एवं फातिमा शेख वार्षिक सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। भारतीय दलित साहित्य अकादमी राजस्थान महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष हेमलता कांसोटिया ने बताया कि समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा।

फतेहाबाद जिले के किसान जल्द से जल्द बनवाएं एग्री स्टैक किसान आईडी

एग्री स्टैक भारत सरकार द्वारा विकसित एक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर है, जो कृषि क्षेत्र के लिए एकीकृत डेटाबेस एलयू सेवाओं का समूह है -एसडीएम राजेश कुमार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । प्रशासनिक टीम ने एग्री स्टैक कैम्प के क्रम को जारी रखते हुए गांव मोहम्मदपुर रोही में किसानों को भारत सरकार की महत्वाकांक्षी डिजिटल पहल एग्री स्टैक किसान आईडी के महत्व की जानकारी दी। एसडीएम राजेश कुमार ने किसानों को बताया कि एग्री स्टैक भारत सरकार द्वारा विकसित एक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर है, जो कृषि क्षेत्र के लिए एकीकृत डेटाबेस एवं सेवाओं का समूह है। इसके माध्यम से किसान की पहचान, भूमि रिकॉर्ड एवं अन्य महत्वपूर्ण आंकड़ों को डिजिटल रूप से जोड़ा जाता है। प्रशासन द्वारा गांव-गांव अभियान चलाकर किसानों की एग्री स्टैक किसान आईडी बनाई जा रही है, जिससे किसानों को दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि किसान आईडी बनवाने से किसानों को बड़ी सहूलियत मिलेगी और सरकार की सभी कृषि-संबंधित योजनाओं का लाभ एक ही पोर्टल के माध्यम से प्राप्त किया जा सकेगा। यह आईडी भविष्य में सब्सिडी, फसल बीमा, कृषि ऋण तथा अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ

उठाने के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। अधिकारियों ने किसानों से अपील की कि वे इस अभियान का लाभ उठाते हुए शीघ्र अपनी एग्री स्टैक किसान आईडी नजदीकी सीएससी सेंटर के माध्यम से या स्वयं ऑनलाइन बनवाएं, ताकि किसी भी सरकारी योजना के लाभ से वंचित न रहना पड़े। इस मौके पर कृषि विकास अधिकारी डॉ अंकित ढिल्लों, कृषि पर्वेक्षक मनोज बिश्नोई, फील्डमैन अनिल गोदारा व अनेक किसान मौजूद रहे है।

इंस्टाग्राम पर प्रेम संबंध टूटने से तनाव में आया युवक, आत्महत्या के प्रयास में चली गोली

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

पुलिस थाना सूरजगढ़ की टीम ने अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक देशी कट्टा और 8 जिंदा कारतूस जब्त कर आरोपी अजय उर्फ दीपू को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि आरोपी ने तनावग्रस्त अवस्था में आत्महत्या का प्रयास करते हुए हथियार को लोड किया था। इसी दौरान अचानक फायर हो गया और गोली उसके बाएं हाथ में लग गई। घटना के दिन आरोपी ने जीवन ज्योति एम्बुलेंस को फोन कर बताया था कि दो युवकों ने उस पर पिस्टल से फायर किया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को एम्बुलेंस से सीएचसी सूरजगढ़ लाया गया। इसके बाद बेहतर इलाज के लिए उसे बीडीके अस्पताल झुंझुनूं में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान भी आरोपी लगातार दो युवकों द्वारा गोली मारे जाने की बात कहता रहा।31 दिसंबर 2025 को अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद पुलिस ने घटना के संबंध में गहन पूछताछ और जांच की। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह एक

लड़की से प्रेम करता था, जिससे उसकी इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी। बाद में लड़की द्वारा ब्लॉक किए जाने से वह मानसिक तनाव में आ गया और आत्महत्या करने का मन बना लिया।आरोपी ने बताया कि 28 दिसंबर 2025 को शाम करीब 7 बजे वह आत्महत्या के इरादे से अपने हथियार को लोड कर रहा था। उसी दौरान अचानक गोली चल गई, जो उसके बाएं हाथ में लग गई। इसके बाद उसने हथियार को प्लास्टिक की थैली में डालकर घर के पास स्थित ट्यूबवेल पर बिजली के पोल के पास स्टार्टर के नीचे छिपा दिया। हाथ में तेज दर्द होने पर उसने एम्बुलेंस को फोन किया और अस्पताल पहुंचा। उस समय उसने पुलिस और डॉक्टरों को झूठी कहानी बताई थी कि दो लड़कों ने उस पर फायर किया है। पुलिस ने आरोपी के कथनों की तस्दीक के लिए उसके घर और आसपास के क्षेत्र में जांच की। आरोपी की निशानदेही पर ट्यूबवेल के पास स्टार्टर के नीचे से एक प्लास्टिक की थैली बरामद की गई, जिसमें एक देशी कट्टा और 8 जिंदा कारतूस मिले। आरोपी से हथियार के संबंध में लाइसेंस या अनुज्ञापत्र मांगा गया, लेकिन वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

इस पर पुलिस ने अवैध देशी कट्टा और कारतूस जब्त कर आरोपी अजय उर्फ दीपू को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर अवैध हथियार और कारतूसों के स्रोत के संबंध में गहन अनुसंधान किया जा रहा है। यह कार्रवाई थानाधिकारी रणजीत सिंह सेवदा के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा की गई, जिसमें पुलिस थाना सूरजगढ़ के अधिकारी व कर्मचारी शामिल रहे।

मार्क अकेडमी के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय कराते में दिखाया दमदार कौशल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर।

जयपुर के शास्त्री नगर स्थित मार्क अकेडमी के होनहार कराते खिलाड़ियों ने होटल रेडिशन ब्लू फरीदाबाद, हरियाणा में 26-27 दिसम्बर 2025 को आयोजित 6th NKFI राष्ट्रीय कराते प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर 12 स्वर्ण सहित 4 रजत 11कांस्य पदक जीते। टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 स्वर्ण, 4 रजत व 9 कांस्य पदक सहित कुल 23 पदक जीते। कोच अजय जावा के अनुसार कुमिते शैली में राजवंश सिंह जावा, आदित्य कच्छावा, मयंक नकवाल , पारुल जावा, तन्वी, सूर्य प्रताप सिंह, कृष्णा कुमावत, रक्षित कराडिया, तेजा शिवम चौधरी, वैभवी जैन ने स्वर्ण पदक, लक्ष्मी सोलंकी, माधव खांडल ने रजत पदक, दुष्यंत पुनिया, कियांश शर्मा, अंशुल प्रधान, अवन कुमावत, शौर्यन चंदोलिया, राजीव सरोज, देव सरोज ,पीयूष जांगिड़ ने कांस्य पदक जीता। काता शैली में राजवंश सिंह जावा, पारुल जावा,भरत बुनकर ने रजत पदक व गौरव बुनकर ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

मंडावर में साईंस कैम्पस स्कूल का भव्य नववर्ष उत्सव, हजारों की उमड़ी भीड

विशाल खाटू श्याम संकीर्तन, मातृ-पितृ पूजन और शिक्षा का दिखाई दिया संगम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

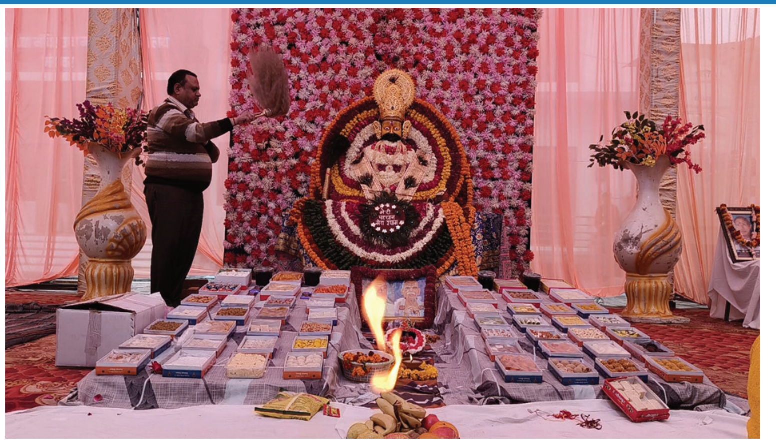

मनोज खंडेलवाल । नववर्ष 2026 के शुभ आगमन पर मंडावर के साईंस कैम्पस स्कूल परिसर में गुरुवार को खाटू श्याम संकीर्तन एवं मातृ-पितृ पूजन समारोह का वह संगीत, भावनात्मक और भव्य आयोजन देखने को मिला जिसने न सिर्फ विद्यालय, बल्कि पूरे क्षेत्र के सामाजिक-सांस्कृतिक मानचित्र पर अपनी अनोखी छाप छोड़ी। सुबह से ही विद्यालय परिसर में हजारों की संख्या में छात्र, अभिभावक, गणमान्य नागरिक और आस-पास के कस्बों-गांवों से आए लोगों की भीड़ उमड़ती रही और माहौल भक्ति, सम्मान और उमंग से भर गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह दस बजे बाबा खाटू श्याम के छप्पन भोग और महाआरती के साथ हुई। विद्यालय निदेशक विजय झालानी और समन्वयक विवेक अग्रवाल ने बाबा श्याम के समक्ष धोक लगाकर नववर्ष की मंगल कामनाएँ कीं। इसके बाद विद्यालय परिवार ने क्षेत्रीय स्तर सहित बाहर से पधारे सम्मानित अतिथियों का मोतियों की माला, चुनरी और रामलला की प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया। इस गरिमामयी व्यवस्था ने पूरे समारोह को आध्यात्मिक और सामाजिक दोनों आयामों में अलग स्तर पर स्थापित किया। इसके पश्चात मातृ-पितृ पूजन का वह अनोखा और हृदयस्पर्शी क्षण सामने आया, जिसने पूरे परिसर को भावनाओं से भर दिया। मंच के सामने बैठे सभी छात्र-छात्राओं ने अपने माता-पिता को सम्मानपूर्वक आसन पर बैठाकर तिलक लगाया, मौली बाँधी, आरती उतारी और प्रणाम कर आशीर्वाद लिया। कई अभिभावकों की आँखें गर्व और भावनाओं से नम हो उठीं। माता-पिता द्वारा बच्चों को दिया गया आशीर्वाद पूरे समारोह का सबसे प्रेरणादायक अध्याय बना। इसके बाद श्याम संकीर्तन की शुरुआत आगरा से पधारे भजन गायिका ममता भारती ने अपनी सुमधुर आवाज़ में की, जिनके भजनों ने माहौल को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। इसी क्रम में राजगढ़ (अलवर) के प्रसिद्ध भजन गायक सरदार सुरजीत सिंह और बांदीकुई के दिनेश गुढा ने अपने रसीले और ऊर्जामयी भजनों से पूरे पंडाल को झूमने पर मजबूर कर दिया। संस्थान के समन्वयक विवेक अग्रवाल के भतीजे व चर्चित बाल कलाकार दर्शन अग्रवाल ने भी अपनी उम्र से कहीं अधिक परिपक्व और प्रेरणादायक प्रस्तुतियों से सभी उम्र के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भजन संध्या के बीच विद्यालय परिसर में सजी बाबा श्याम की छप्पन भोग झांकी, अखण्ड ज्योति, भव्य दरबार, पुष्प व इत्र वर्षा तथा दरबार का आलौकिक श्रृंगार कार्यक्रम की असली पहचान बनकर उभरा और लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा।

समारोह के दौरान साईंस कैम्पस स्कूल के अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाले टॉपर विद्यार्थियों को मंच पर मेडल और प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए यह क्षण उत्साह और प्रेरणा से भरा रहा।

कार्यक्रम का मुख्य संयोजन मंडावर के प्रमुख खाटू श्याम संगठनों – निर्गुण दरबार श्याम सेवा समिति, श्याम मित्र मंडल, श्याम परिवार, खाटू श्याम सेवा समिति, लखदातार सेवा समिति, हारे का सहारा सेवा समिति और गौरवी मित्र मंडल – के संयुक्त प्रयासों से हुआ। इसी अवसर पर साईंस कैम्पस विद्यालय द्वारा खाटू श्याम सेवा समिति नामक एक नए धार्मिक संगठन का शुभारंभ भी किया गया, जिसे अतिथियों की उपस्थिति में बड़े उत्साह के साथ प्रारंभ किया गया।

मंच संचालन की जिम्मेदारी मोहित ठाकुरिया ने संभाली, जिन्होंने अपनी सहज, शालीन और प्रभावशाली शैली से पूरे कार्यक्रम को गरिमामयी गति प्रदान की। कार्यक्रम में अजय झालानी, नीरज झालानी, चन्दू ठाकुरिया, मनीष जयशिव, मोहित ताम्बी, मोनू सैनी, चुन्नू झालानी, पुष्पेंद्र काठ, हरिओम सैनी, राजेश बडाया, महेश साहु, त्रिपुरारी ठाकुरिया, रमाकांत झालानी (पूर्व सरपंच), लाला झालानी, प्रदीप सैनी, मुकेश गोयल, राजेश अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे और हजारों की संख्या में विद्यार्थियों एवं अभिभावकगणों ने इस अनोखे आध्यात्मिक-सांस्कृतिक उत्सव का भरपूर आनंद लिया।

खेतड़ी में नशामुक्ति का संदेश: युवाओं को दूध पिलाकर दिलाया नशा छोड़ने का संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

अंग्रेजी नव वर्ष के अवसर पर लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट इकाई खेतड़ी द्वारा गणेश खेतड़ी के सामने युवाओं को नशे से दूर रखने के उद्देश्य से एक प्रेरणादायी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत युवाओं को दूध पिलाकर नशामुक्त जीवन अपनाने का संकल्प दिलाया गया और स्वस्थ दिनचर्या के लिए प्रेरित किया गया। ट्रस्ट के तहसील प्रभारी मुकेश कुमार सैनी ने संबोधन में कहा कि नशा युवाओं के भविष्य को अंधकार की ओर ले जाता है, जबकि दूध जैसे पोषक तत्व शरीर और मन दोनों को सशक्त बनाते हैं। उन्होंने युवाओं से सकारात्मक आदतें अपनाने और समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में एडवोकेट संजय सुरोलिया ने 'दूध से दोस्ती, नशे से दूरी' का संदेश देते हुए युवाओं को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन ही उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है। इस अवसर पर ज्योति भारद्वाज, सीमा, उज्जवला, सुमन, पुरुषोत्तम, कार्तिक, आदित्य सहित ट्रस्ट के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही और नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दोहराया गया।

नववर्ष के उपलक्ष्य में जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा नशा मुक्ति शिविर का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा वीरवार को नववर्ष के उपलक्ष्य में स्थानीय पटवार भवन में नशा मुक्ति शिविर आयोजित किया गया। इस आयोजन में जिला फतेहाबाद के विभिन्न क्षेत्रों से प्राथमिक सहायता प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु आए विद्यार्थियों सहित अनेक लोगों ने भाग लिया। शिविर के दौरान जिला प्रशिक्षण अधिकारी दलबीर सिंह ने नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा उपस्थित विद्यार्थियों को स्वयं नशा न करने और अपने आस-पड़ोस में भी किसी को नशा न करने के लिए जागरूक किया गया। पुलिस विभाग से सुंदर मुसाफिर द्वारा विद्यार्थियों को नशा न करने तथा नशा बेचने वालों के विरुद्ध होने वाली सख्त कानूनी कार्रवाई के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहें। प्रशिक्षणार्थियों को नशा न करने की शपथ दिलाई गई कि वे न तो स्वयं नशा करेंगे और न ही अपने परिवार के किसी सदस्य को नशा करने देंगे तथा अपने-अपने गांवों और शहरों के मोहल्लों में नशा मुक्ति के लिए आमजन को जागरूक करेंगे। इस अवसर पर उपस्थित सभी प्रशिक्षणार्थियों को नशे से दूर रहने के उपाय बताए गए, ताकि वे स्वयं और अपने परिवार को नशे से बचा सकें। साथ ही यह भी बताया गया कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर मेडिटेशन का सहारा लिया जा सकता है। मादक पदार्थों का उत्पादन एवं तस्करी करने वाले लोगों को इस कार्य को छोड़कर एक नया जीवन शुरू करने की सलाह दी गई, ताकि वे समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकें। बताया गया कि एक नशेड़ी व्यक्ति का जीवन केवल नशे तक ही सीमित होकर रह जाता है।कार्यक्रम में जिला रेडक्रॉस सोसायटी के उपाधीक्षक सुरेन्द्र कुमार, सुनील भाटिया, अंजू रानी, मुकेश बंसल, कृष्ण कुक्कड़ सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें।

हिसार जिले के मंडी आदमपुर के विधायक चंद्रप्रकाश ने नव वर्ष पर मिलन समारोह आयोजित करके हलकावासियों व कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

भीम प्रज्ञा न्यूज़.हिसार/मंडी।

रजत विजय रंगा । विधायक चंद्रप्रकाश ने नव वर्ष के अवसर पर आदमपुर के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में स्नेह मिलन समारोह आयोजित करके हलकावासियों व कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। उन्होंने नए साल की शुभकामनाएं देते हुए विकास कार्यों के प्रति प्रतिबद्धता भी जताई। चंद्रप्रकाश ने सभी के लिए सुख, शांति, समृद्धि व उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष 2025 में आदमपुर हलके की 36 बिरादरी का भरपूर स्नेह और आशीर्वाद मिला है। इसी समर्थन और उत्साह की बदौलत आदमपुर के विकास के लिए सरकार के समक्ष एवं विधानसभा में जनता के हक की आवाज बुलंद की है। इसी भांति नव वर्ष में नई चेतना जगाते हुए और नए संकल्प के साथ जनता से मिलकर कार्य किए जाएंगे। मिलन समारोह के दौरान लोगों ने आदमपुर से संबंधित समस्याओं को भी विधायक चंद्रप्रकाश ने समक्ष रखा। विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि आदमपुर के विकास के लिए वे पूरी शिद्दत से प्रयत्नशील हैं। उन्होंने कहा कि आदमपुर में मूलभूत सुविधाओं की सख्त दरकार है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 31 दिसंबर तक सडक़, सीवर व पेयजल आपूर्ति लाइन का कार्य पूरा करवाने का आश्वासन दिया था लेकिन सभी कार्य अधर में लटके हैं। इसलिए उन्होंने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में भी इन कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करवाने की मांग रखी थी। उन्होंने कहा कि वे सरकार को स्पष्ट कर चुके हैं कि आदमपुरवासी जर्जर सडक़ों व लचर सीवर व्यवस्था से परेशान हैं और स्वच्छ पेयजल आपूर्ति की नितांत आवश्यकता है। इसलिए इन विकास कार्यों को हर हाल में पूरा करवाकर जनता को राहत प्रदान की जाए। इसके साथ ही किसानों के लिए सिंचाई का पर्याप्त पानी व बिजली की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। सुचारू स्वास्थ्य सेवाओं व शैक्षणिक सेवाओं के लिए भी वे आवाज बुलंद कर चुके हैं।

चंद्रप्रकाश ने कहा कि नए साल में भी वे विकास कार्यों को अति शीघ्र पूरा करवाने की सरकार से मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि यह सच्चाई है कि भाजपा केवल वादों और कोरे दावों की सरकार है। भाजपा बड़े-बड़े दावे करके वोट तो बटोर लेती है लेकिन गरीब, मजदूर, किसान, शोषित व पिछड़ा वर्ग की सुनने वाला कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार को इन वर्गों की सुध लेते हुए इनकी बेहतरी के लिए गंभीरता से कार्य करना चाहिए।

बलौदा में समाजसेवी स्व. प्रभु राम बरवड़ की 34वीं पुण्यतिथि पर वृद्धजन सम्मान समारोह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

बलौदा गांव में समाजसेवी स्व. प्रभु राम बरवड़ की 34वीं पुण्यतिथि के अवसर पर शहीद धर्मपाल सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में भव्य वृद्धजन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गांव के परंपरागत धोती-कुर्ता धारण करने वाले बुजुर्गों का सम्मान कर उन्हें समाज की धरोहर बताया गया। समारोह की अध्यक्षता संस्था प्रधान नेतराम यादव ने की। मुख्य अतिथि श्योनारायण गुरु रहे, जबकि गांव के सबसे उम्रदराज मुंशी प्रजापत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पूर्व सरपंच छोटू राम व नरेश कुमार सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।कार्यक्रम के दौरान सीआई पद पर नियुक्त होने पर ग्रामीणों द्वारा बिजेंद्र बरवड़ का भी सम्मान किया गया। सभी उपस्थितजनों को नववर्ष का कैलेंडर भेंट कर शुभकामनाएं दी गईं। वक्ताओं ने स्व. प्रभु राम बरवड़ के जीवन संघर्ष, समाजसेवा और प्रेरणादायी कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। प्रधानाचार्य नेतराम यादव ने विद्यालय विकास में सहयोग देने वाले सभी भामाशाहों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का मंच संचालन मास्टर सबीर बरवड़ ने किया, जबकि समापन अवसर पर मास्टर पवन बरवड़ ने सभी अतिथियों, ग्रामीणों और सहयोगकर्ताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह में सामाजिक समरसता और सम्मान की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली।

शिशु वाटिका विद्यालय में बजरंग दल की मीटिंग आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । कस्बे में स्थित शिशु वाटिका सभागार में बजरंग दल की गुरुवार को मीटिंग आयोजित हुई ।जिसमें कार्यकारिणी की चर्चा की गई और संगठन विस्तार करने का अभियान चलाया जाएगा । फरवरी में होने वाला विराट हिंदू सम्मेलन के बारे में चर्चा की गई। इस अवसर पर तहसील संयोजक रन सिंह नगर संयोजक सुनील कुमार पूर्व तहसील संयोजक रोहिताश सैनी पूर्व नगर संयोजक अशोक कुमार महेंद्र गुर्जर कैलाश सैनी गजेंद्र गुर्जर अमित शर्मा जितेंद्र सैनी संदीप माथुर सुभाष गणेश तंवर सुनील संजय चेजारा आदि उपस्थित रहे।

श्याम भक्तों ने अटेली रेलवे स्टेशन पर तीन ट्रेनों के शीशे तोड़े, अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

■ सर्दी व कोहरे का असर ट्रेनों पर देखने को मिल रहा है। रेवाड़ी रींगस रेल मार्ग पर चलने वाली कुरुक्षेत्र से फुलेरा के बीच में चलने वाली स्पेशल ट्रेन अटेली स्टेशन पर अपने निर्धारित समय से साढ़े सात घंटे देरी से रही। यह ट्रेन कुरुक्षेत्र की तरफ 12.56 का समय है लेकिन साढ़े 7 घंटे देरी से पहुंची।

अटेली रेलवे स्टेशन पर खाटू श्याम जाने वाले श्याम भक्तों का उत्पात देखा गया है। नववर्ष पर खाटू श्याम जाने के लिए अटेली स्टेशन पर बुधवार रात्रि को श्याम भक्तों को खासी भीड़ थी। रात्रि को ट्रेन के दरवाजे नहीं खुलने पर श्याम भक्तों ने क्रोधित हो कर रोष स्वरूप रींगस जाने वाली ट्रेनों के खिड़कियां व दरवाजे के शीशे तोड़ दिए हालांकि आरपीएफ ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। तोड़-फोड़ की घटना में एक यात्री के घायल होने का समाचार मिला है। गुरुवार को आरपीएफ पुलिस ने स्टेशन मास्टर से तीन गाडियों की शीशे टूटने की जानकारी ली। शीशे टूटने वाली ट्रेन में 09633 भिवानी-जयपुर रात्रि को12.48 पर पहुंचती है। दूसरी ट्रेन जो 19604 गोड़ा से दौराई जो 3.12पर पहुंचने वाली तथा ट्रेन संख्या नंबर 19620 रेवाड़ी-फुलेरा के शीशे तोड़े गये। पहली बार अटेली स्टेशन पर इस तरह की घटना से रेल यात्रियों व जागरूक नागरिकों ने इस घटना की कड़ी निंदा की। अध्यापक सुंदरलाल, मास्टर सुरेंद्र, संदीप जांगिड़, नगर पार्षद प्रतिनिधि बिरेंद्र, सामाजिक चिंतक डा. जितेंद्र पाल आदि ने बताया कि राष्ट्रीय संपति को नुकसान पहुंचाना नागरिक का कर्तव्य नहीं होता अपितु सार्वजनिक संपति की रक्षा करना उसका मौलिक कर्तव्य होता है। इस तरह की घटनाओं से कर्मियों व अधिकारियों का समय व कार्यक्षमता को खराब करते है। आरपीएफ के सब इंस्पेक्टर रमेश कुमार ने मौका मुआयना किया तथा प्लेट फार्म नंबर दो पर गाडियों के टूटे हुए शीशों का अवलोकन किया। उन्होंने बताया कि रेलवे पुलिस बल ने अज्ञात असामाजिक तत्वों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। स्टेशन मास्टर सुरेश शर्मा ने बताया कि नववर्ष के उपलक्ष्य पर बड़ी संख्या में खाटू जाने वाले भक्तों की भीड़ थी। ट्रेन के दरवाजे नहीं खुलने पर क्रोधित भीड़ ने ट्रेन के दरवाजों व खिड़कियों के शीशे तोड़ दिये। लोगों ने स्टेशन पर सीसीटीवी लगाने की मांग की है ताकि स्टेशन पर होने वाली घटनाओं पर नजर हो सके।

बाबा श्याम के मंदिर में पौष बडा प्रसादी का हुआ आयोजन

गरमा गरम हलवा एवं बड़ों का भगवान के लगाया भोग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । कस्बे में स्थित वार्ड नंबर 24 में बाबा श्याम के दरबार में गुरुवार को पोष बड़ा प्रसादी का आयोजन किया गया मंदिर के पुजारी एवं अशोक शाह एवं मनोज शाह ने भगवान के भोग लगाकर श्रद्धालुओं को गरमा गरम हलवा एवं दाल के बड़ों का प्रसाद दिन भर वितरित किया। इस दौरान संतोष शाह,अशोक शाह, मनोज शाह, कनक शाह, सुशीला शाह, केशव शाह, आदि मौजूद रहे।

श्री संतोषी माता मंदिर में पौष बड़ा महोत्सव एवं महाआरती का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

यहां संतोषी माता मंदिर में नववर्ष के प्रथम दिन श्रद्धा और आस्था के साथ पौष बड़ा महोत्सव एवं महाआरती का आयोजन किया गया। यह जानकारी देते हुए मंदिर प्रबंधन समिति के डॉ गिरीश शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और माता संतोषी एवं शिव परिवार के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान माता संतोषी एवं शिव परिवार का विशेष श्रृंगार किया गया तथा पौष बड़ा का भोग लगाकर विधिवत विशेष पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से भजन-कीर्तन किए, जिससे मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। पोषबड़ा आयोजन के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद ग्रहण करवाया गया। कार्यक्रम के संयोजक लक्ष्मीकांत टेलर ने बताया कि संतोषी माता मंदिर में प्रतिवर्ष इसी प्रकार नववर्ष के प्रथम दिन पौष बड़ा महाप्रसाद एवं श्रावण मास में प्रतिदिन विशेष श्रृंगार एवं महाआरती का आयोजन किया जाता है। इस कार्यक्रम में पंडित जगदीश प्रसाद त्रिवेदी, विनोद कुमार सैन, वीरेंद्र सोनी, विनोद गोगानी, हिमांशु झांकल, आयुष वर्मा, चेतन वर्मा, अनुराग सैन, हर्षित सैन, अतुल सोनी सहित बड़ी संख्या में श्रृद्धालु उपस्थित थे। मंदिर समिति एवं आयोजनकर्ताओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया।

बुहाना में दूध पिलाकर व हनुमान चालीसा पाठ के साथ मनाया गया नववर्ष, 'दारू नहीं, दूध पीकर करें नववर्ष की शुरुआत' का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

नववर्ष 2026 का स्वागत भक्ति, सद्भाव और सकारात्मक संकल्पों के साथ बुहाना में प्रेरणादायी आयोजन के रूप में किया गया। भगवान परशुराम बालाजी मंदिर ट्रस्ट के सौजन्य से सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ आयोजित हुआ और दूध पिलाकर नववर्ष की शुरुआत की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य नशामुक्ति का संदेश देना और युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली की ओर प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बिमला बुडानिया (एसएचओ, बुहाना) ने दीप प्रज्वलित कर दूध महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने आमजन से नशा छोड़ने की अपील करते हुए नए वर्ष में सकारात्मक कीर्तिमान स्थापित करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर राजेश महाराज, श्री बालाजी विशाल धाम पीठाधीश्वर, ने हनुमान चालीसा का पाठ कराया, जिससे उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। दिवेश शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति युवाओं को खोखला कर रही है, इसी को ध्यान में रखते हुए युवाओं को एकजुट कर 'दारू नहीं, दूध पीकर करें नववर्ष की शुरुआत' का सकारात्मक संदेश दिया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, श्रद्धालुओं और आमजन ने सहभागिता की और इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर हिमांशु शर्मा, हिमांशु मान, हिमांशु स्वामी, दीपांशु स्वामी, रवि शर्मा, करण सिंह शेखावत, विनोद शर्मा, गोविंद शर्मा, मोहित, राहुल सहित अन्य युवा व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन ने नववर्ष को नशामुक्ति और सद्भाव के संकल्प के साथ मनाने का संदेश दिया।

झुंझुनूं में दुग्ध वितरण के साथ दिया नशामुक्ति का संदेश, लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

नववर्ष के अवसर पर लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट, झुंझुनूं द्वारा सामाजिक सरोकार के तहत दुग्ध वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के झुंझुनूं प्रभारी मनोज कुमार गनोलिया ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दो अलग-अलग स्थानों पर दुग्ध वितरण कर नशामुक्ति का संदेश दिया गया।पहला कार्यक्रम श्री लक्ष्मी नाथ पाठशाला परिसर में आयोजित किया गया, जबकि दूसरा कार्यक्रम झुंझुनूं के नेहरा पहाड़ क्षेत्र के पास निवास करने वाले गरीब परिवारों के बीच संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्री लक्ष्मी नाथ पाठशाला की प्रधानाचार्य ज्योति जोशी रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता झुंझुनूं नगर परिषद के पार्षद सीताराम घोटड़ ने की। कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट कार्यकर्ता नारायण पांडे द्वारा उपस्थित लोगों को केसरिया दूध पिलाया गया। इस अवसर पर पार्षद सीताराम घोटड़ ने अपने संबोधन में कहा कि लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट पिछले पांच वर्षों से निरंतर पुण्य एवं जनसेवा के कार्य कर रहा है और समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष भी ट्रस्ट द्वारा 'शराब से नाता तोड़ो और दुग्ध से नाता जोड़ो' अभियान के अंतर्गत यह प्रेरणादायी आयोजन किया गया।

ट्रस्ट कार्यकर्ता नारायण पांडे ने कच्ची बस्तियों में रहने वाले लोगों से अपील करते हुए कहा कि शराब जैसी बुराइयों से दूर रहकर अपने परिवार और आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ, शिक्षित एवं संस्कारित बनाने में योगदान दें। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजेंद्र कुमार कनोड़िया, सुरेश सीमार, नरोत्तम दुलगच, प्रदीप दुलगच, बबलू मेघवाल, फेमस समीर गनोलिया, महिला प्रभारी ग्यारसी कुमारी सबल एवं बीना रानी सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम को लेकर क्षेत्रवासियों में सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली।

मातृभूमि के लिए प्राण न्योछावर करने वाले वीर सपूत को नमन: अमर शहीद कंवरपाल सिंह चौहान की 17वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । जब पूरा देश नववर्ष की खुशियों में डूबा रहता है, तब कोई वीर सपूत देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे देता है। ऐसे ही मातृभूमि के अमर सपूत शहीद कंवरपाल सिंह चौहान की 17वीं पुण्यतिथि पर 3 जनवरी 2026, शनिवार को प्रातः 10:15 बजे शहीद स्थल जती आश्रम, कुतीना में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला प्रमुख अलवर बलबीर छिल्लर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वहीं बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत, मुंडावर विधायक ललित यादव तथा पूर्व विधायक मुंडावर मनजीत धर्मपाल चौधरी विशिष्ट

रूप से शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत कुतीना के सरपंच रविन्द्र सिंह चौहान करेंगे। विशिष्ट अतिथियों में भाजपा उत्तर जिला अध्यक्ष महासिंह चौधरी, मेजर जनरल ए.के. सिंह, विंग कमांडर ऋषिदेव यादव (जिला सैनिक कल्याण अधिकारी बहरोड़), कर्नल आर.पी. यादव (पूर्व जिला सैनिक कल्याण अधिकारी), उमाशंकर यादव (प्रदेश उपाध्यक्ष सरपंच संघ अध्यक्ष), जिला पार्षद जयप्रकाश झाबर, वेदप्रकाश खबरी एवं संदीप फौलादपुरिया शामिल रहेंगे। वीरता और बलिदान की अमर गाथा - अमर शहीद कंवरपाल सिंह चौहान ने कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन के दौरान अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने घायल साथी सूबेदार राकेश सिंह को बचाने का प्रयास किया। आतंकियों से मुठभेड़ में दो आतंकियों को मार गिराने के बाद, पीछे आ रही टीम को सतर्क करते हुए वे मातृभूमि की रक्षा में वीरगति को प्राप्त हुए। उनका यह बलिदान देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा की अमर मिसाल है। संक्षिप्त जीवन परिचय - शहीद कंवरपाल सिंह चौहान का जन्म 1 जुलाई 1980 को अलवर जिले के कुतीना गांव में माता कमला देवी एवं पिता हीरा सिंह चौहान के घर हुआ। दसवीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद 18 जुलाई 2000 को उन्होंने भारतीय सेना जॉइन की और 14 ग्रेनेडियर तथा बाद में 39 राष्ट्रीय राइफल्स में सेवा दी। वे दो बार गणतंत्र दिवस परेड में भी शामिल हुए और एक उत्कृष्ट वॉलीबॉल खिलाड़ी रहे। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि एवं पूर्व सैनिक शहीद को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनकी वीरता को नमन करेंगे।

नववर्ष पर सौहार्द का संदेश: वेदप्रकाश सैनी ने व्यापारियों को दी शुभकामनाएं, सामाजिक जिम्मेदारी पर जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नववर्ष के अवसर पर नीमराना नगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट वेदप्रकाश सैनी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ गुरुवार एक जनवरी को नगर के व्यापारियों से मुलाकात कर उन्हें नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने व्यापारियों के व्यवसाय एवं व्यक्तिगत जीवन में सुख, समृद्धि और निरंतर उन्नति की कामना की। नगर कांग्रेस अध्यक्ष वेदप्रकाश सैनी ने व्यापारियों से संवाद करते हुए नववर्ष में अपने व्यवसाय को और अधिक विस्तार देने के साथ-साथ समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि व्यापारी वर्ग समाज की आर्थिक रीढ़ है और उनके सहयोग से सामाजिक सरोकारों को मजबूती मिलती है। इस अवसर पर नगर कांग्रेस उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद चर्खिया, ब्लॉक

महासचिव सतवीर सैनी, प्रवक्ता राजकुमार सिलारपुर, श्योचंद उर्फ भरतरी, नेमीचंद, संजय कुमार, प्रवीण यादव, संजय सैनी, प्रशांत शर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।कार्यक्रम के माध्यम से नववर्ष पर आपसी सौहार्द, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी का सकारात्मक संदेश दिया गया।

समग्र शिक्षा अभियान में नीमराना ब्लॉक का डंका, लगातार तीसरी बार जिला में प्रथम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत जारी मासिक ब्लॉक रैंकिंग में नीमराना ब्लॉक ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले में लगातार तीसरी बार प्रथम स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि ब्लॉक के सभी राजकीय विद्यालयों, शिक्षकों एवं शिक्षा अधिकारियों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कमलेश यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि समग्र शिक्षा की ओर से जारी ब्लॉक रैंकिंग विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रशासनिक मापदंडों के आधार पर तय की जाती है। रैंकिंग के लिए शाला दर्पण पोर्टल एवं ज्ञान संकल्प पोर्टल पर 12 प्रमुख

पैरामीटर्स में समयबद्ध एवं सटीक प्रविष्टि अनिवार्य होती है। इनमें विद्यार्थी अवॉर्ड एंट्री, गत माह की छात्र उपस्थिति, पुस्तकालय से पुस्तक वितरण, बोर्ड परीक्षा में 4 या 5 स्टार प्राप्त विद्यालय, जनआधार प्रमाणिकरण, ज्ञान संकल्प पर विद्यालयों को प्राप्त डोनेशन, एसएमसी व एसडीएमसी बैठकों का आयोजन, खेल मैदान से जुड़ी प्रविष्टियां आदि शामिल हैं। उन्होंने बताया कि नीमराना ब्लॉक के राजकीय विद्यालयों के संस्था प्रधानों एवं स्टाफ ने इन सभी मानकों पर गंभीरता से कार्य करते हुए रैंकिंग में निरंतर सुधार किया है, जिसका परिणाम लगातार तीसरी बार जिला स्तर पर प्रथम स्थान के रूप में सामने आया है। इस सफलता से नीमराना ब्लॉक ने शिक्षा के क्षेत्र में जिले में एक नई मिसाल कायम की है और आने वाले समय में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद जताई जा रही है।

सीकर में न्यू-ईयर पर पुलिस को देख भागे शराबी:

भीम प्रज्ञा न्यूज

सीकर । नए साल की रात पर सीकर में शराब पीकर हुड़दंग करने वाले लोगों पर पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस ने अलसुबह तक 32 शराबियों को पकड़ा और शहर में 30 गाड़ियां जब्त कीं। दरअसल, नए साल को देखते हुए सीकर शहर के हर पॉइंट पर पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। इसके साथ ही पुलिस की गाड़ियां लगातार गश्त कर रही थीं, जिन्होंने शराबियों और हुड़दंग करने

वाले लोगों पर कार्रवाई की। सीकर के उद्योग नगर इलाके में संचालित कई रेस्टोरेंट और हॉस्टल संचालक रात 10 बजे बाद तेज आवाज में डीजे बजा रहे थे। ऐसे में SHO राजेश बुडानिया अपनी टीम के साथ खुद पैदल गश्त पर निकले और डीजे बंद करवाए। SHO राजेश ने बताया कि सीकर सर्किल एरिया में शराब पीकर हुड़दंग करने वाले 32 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने 30 गाड़ियां जब्त कीं। इसके साथ ही 5 लोगों को एमवी एक्ट, और 10 को 60 पुलिस एक्ट में भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने करीब 40 चालान भी किए।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर छात्राओं ने दिखाया लोकतांत्रिक जोश, भाषण में पारुल अव्वल

भाषण, निबंध और रंगोली प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने लोकतंत्र और मतदान का प्रभावी संदेश दिया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में चौधरी मनीराम गोदारा राजकीय महिला महाविद्यालय, भोडिया खेड़ा में छात्राओं ने लोकतंत्र के प्रति जागरूकता और मतदान के महत्व को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों तथा उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. विवेक भारती के आदेशानुसार 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर कोई मतदाता ना छूटे विषय पर भाषण, निबंध लेखन एवं रंगोली प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय की कार्यकारी प्राचार्य डा. लखबीर कौर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. ज्योति ने कहा कि प्रतियोगिताओं का उद्देश्य छात्राओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ना, मतदान के

अधिकार के प्रति सजग बनाना तथा युवा सहभागिता को बढ़ावा देना है। निबंध लेखन प्रतियोगिता में छात्राओं ने मतदान का अधिकार, लोकतंत्र की मजबूती और युवाओं की भूमिका जैसे विषयों पर सारगर्भित विचार रखे। भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास के साथ मतदाता जागरूकता का संदेश दिया, जबकि रंगोली प्रतियोगिता में लोकतंत्र और मतदान के महत्व को रंगों के माध्यम से उकेरा गया। निर्णायक समिति द्वारा निष्पक्ष मूल्यांकन के बाद भाषण प्रतियोगिता में पारुल ने प्रथम, सबीना ने द्वितीय तथा नीरू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में सोनिया पारिक प्रथम, जिया द्वितीय एवं परीक्षा तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं रंगोली प्रतियोगिता में मीनाक्षी ने प्रथम, कुमकुम ने द्वितीय और निशा ने तृतीय स्थान हासिल किया। महाविद्यालय प्राचार्य द्वारा सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए उन्हें मतदान के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। सभी विजेता छात्राएं 2 जनवरी 2026 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगी। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं से लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए अपने मताधिकार के अनिवार्य प्रयोग का आह्वान किया। कार्यक्रम में इलेक्टोरल वोटर आईडी समिति के सदस्य सहायक प्रोफेसर सुमित्रा, सतीश चंद्र, डॉ. ममता व गगनदीप कौर सहित महाविद्यालय के विद्यार्थी मौजूद रहे।

ढ़क्कनदार नहीं, मलाईदार बने युवा: नशा मुक्ति के खिलाफ नववर्ष में बजा बिगुल

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट की कार्यशाला में युवाओं को दिलाई गई नशा मुक्ति की शपथ

भीम प्रज्ञा न्यूज़ पचेरी/बुहाना।

नववर्ष के अवसर पर युवाओं को नशे की लत से दूर रखने और स्वस्थ, सशक्त समाज के निर्माण का संदेश देते हुए लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट, खंड बुहाना के तत्वावधान में सेंट्रल लाइब्रेरी, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी में नशा मुक्ति अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 'दारू छोड़ो, दूध पिलाओ' अभियान को गति देते हुए नशे के दुष्परिणामों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यशाला में ट्रस्ट के संरक्षक सदस्य एवं भीम प्रज्ञा के संपादक एडवोकेट हरेश पंवार ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में युवाओं को 'ढ़क्कनदार नहीं, मलाईदार' बनने की जरूरत है। उन्होंने चिंता जताई कि युवा पीढ़ी फास्ट फूड और बोतलबंद पेय पदार्थों की ओर

तेजी से आकर्षित हो रही है, जो भारत जैसे युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी संपदा—युवा शक्ति—के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल के संचालक कृष्ण कुमार टेलर ने नशे से उत्पन्न सामाजिक समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज में एक ओर विवाह के समय नशे से दूर रहने की शर्त रखी जाती है, वहीं दूसरी ओर लगन-टीका और खातेदारी में शराब की अनिवार्यता निभाई जाती है। उन्होंने इसे समाज की दोहरी सोच बताते हुए कहा कि जब तक सामाजिक परंपराओं में बदलाव नहीं आएगा, तब तक नशा मुक्ति का लक्ष्य अधूरा रहेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेंट्रल लाइब्रेरी के संचालक एडवोकेट मनोज पंवार ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी यासीन खान उपस्थित रहे। लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट के प्रभारी नवीन कुमार ने ट्रस्ट की गतिविधियों और सामाजिक सरोकारों की जानकारी देते हुए युवाओं से संवाद किया और बेहतर करियर निर्माण के लिए अच्छी आदतों को दिनचर्या में शामिल करने पर जोर दिया। इस अवसर पर सतीश कुमार, विकास कुमार सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित युवाओं को जलेबी खिलाकर और दूध पिलाकर नशा मुक्ति से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। आयोजन ने क्षेत्र में नशा मुक्ति के प्रति सकारात्मक संदेश देते हुए नववर्ष की शुरुआत सामाजिक चेतना के साथ करने का प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया।

विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर में ग्रैंडपेरेंट्स डे का भव्य आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.निजामपुर।

निजामपुर स्थित विद्या भारती पब्लिक स्कूल में बुधवार, 31 दिसंबर 2025 को ग्रैंडपेरेंट्स डे का भव्य एवं भावनात्मक आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के दादा-दादी एवं नाना-नानी को विद्यालय परिसर में आमंत्रित कर उनका सम्मान किया गया।कार्यक्रम में विद्यालय के लगभग 300 विद्यार्थियों के दादा-दादी व नाना-नानी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने अपने दादा-दादी एवं नाना-नानी के स्वागत में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें गीत, नृत्य एवं लघु नाटिकाएँ शामिल रहीं। इन प्रस्तुतियों ने सभी उपस्थित जनों का मन मोह लिया। बुजुर्गों के मनोरंजन हेतु विभिन्न प्रकार के मनोरंजक खेलों एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें दादा-दादी व नाना-नानी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और

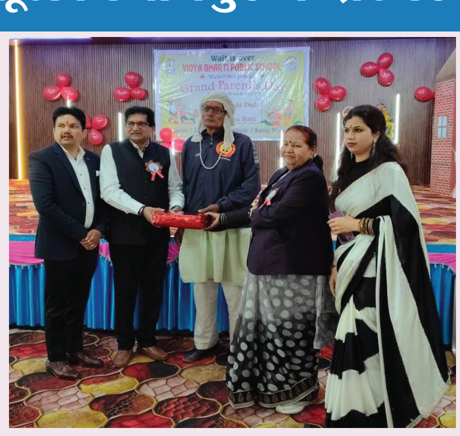

अपने बचपन की यादों को ताज़ा किया। बच्चों और बुजुर्गों के बीच आत्मीयता और प्रेम का सुंदर दृश्य देखने को मिला। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव, वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव, प्रबंध निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव, निदेशक डॉ. रविन्द्रा यादव, उप-प्राचार्य सपना मल्होत्रा, किड्स ब्लॉक इंचार्ज विजय सोनी सहित विद्यालय के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहें।कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के प्राचार्य विनोद कुमार यादव ने कहा कि दादा-दादी एवं नाना-नानी बच्चों के जीवन की प्रथम पाठशाला होते हैं, जिनसे उन्हें संस्कार, प्रेम और जीवन मूल्य प्राप्त होते हैं। वहीं संस्था के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव ने बच्चों से अपने दादा-दादी एवं नाना-नानी का सदैव सम्मान करने तथा उनके अनुभवों व संस्कारों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने सभी अभिभावकों को अपना बहुमूल्य समय निकालकर कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का समापन स्नेह, सम्मान और उल्लास के वातावरण में हुआ।

नववर्ष पर नीमकाथाना आश्रम में कंबल वितरण: मेरा कान्हा चेरिटेबल ट्रस्ट ने प्रभुजनों को बांटे

भीम प्रज्ञा न्यूज

नीमकाथाना । नीमकाथाना के अपना घर आश्रम में नववर्ष के अवसर पर कंबल वितरित किए गए। बैंगलोर के मेरा कान्हा चेरिटेबल ट्रस्ट ने आश्रम में रहने वाले प्रभुजनों और सेवासाथियों को सर्दी से बचाने के लिए यह पहल की। कंबल वितरण कार्यक्रम में कान्हा चेरिटेबल ट्रस्ट के सदस्य ज्ञानचंद अग्रवाल, मोहिनी अग्रवाल, किशन लाल, मनीष गर्ग, विवेक मित्तल, सुरेश हजारिका, योगेश गुप्ता, राहुल मित्तल और शुभम सैनी उपस्थित रहे। उन्होंने प्रभुजनों को कंबल वितरित किए और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। ट्रस्ट के सदस्यों ने अपना घर आश्रम द्वारा दी जा रही सेवाओं की सराहना की। उन्होंने इस प्रयास को सराहनीय बताया। इस अवसर पर आश्रम

अध्यक्ष अशोक शर्मा, सचिव संदीप चौधरी, वित्त सचिव संजीव मोदी, कार्यकारिणी सदस्य विजय जाखड़ और जे.पी. लोढ़ा मौजूद रहे। कार्यालय प्रभारी विवेक जादौन, सहप्रभारी मुरारी लाल डांगी और अन्य सेवासाथी भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

झुंझुनूं में सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ, महीनेभर चलेंगे जागरूकता कार्यक्रम

जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने दिलाई यातायात नियमों की शपथ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

सीकर रोड स्थित परिवहन कार्यालय परिसर में गुरुवार को सड़क सुरक्षा माह का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय ने की, जबकि मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. छोटेलाल गुर्जर, जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा तथा पीडब्ल्यूडी अधीक्षण अभियंता सतीश गुप्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन को यातायात नियमों की पालना की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत जिलेभर में एक माह तक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे,

जिनका उद्देश्य आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना तथा सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाना है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसमें प्रशासन के साथ आमजन की सहभागिता भी आवश्यक है। यदि प्रत्येक व्यक्ति नियमों का पालन करे, तो दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। उन्होंने वाहन चालकों से हेलमेट व सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, ओवरस्पीडिंग से बचने तथा नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने की अपील की। जिला परिवहन अधिकारी मोनू सिंह मीणा ने बताया कि सड़क सुरक्षा माह के दौरान जिले में विशेष जांच अभियान, जागरूकता रैलियां, विद्यालयों में कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक एवं प्रचार-प्रसार गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। साथ ही दुर्घटना संभावित स्थलों (ब्लैक स्पॉट) को चिन्हित कर आवश्यक सुधारात्मक कार्य किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान गायक जाकिर अब्बासी का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन भावना शर्मा ने किया। अंत में सभी उपस्थितजनों से सुरक्षित, संयमित एवं जिम्मेदार वाहन संचालन का संकल्प लेने का आह्वान किया गया। उस दौरान परिवहन निरीक्षक रमेश कुमार यादव, रोहिताश कुमार भगासरा? समेत परिवहन कार्यालय के? कर्मचारी एवं गणमान्य जन मौजूद रहें।

भारतीय खेलों के लिए व्यस्त रहेगा 2026, टी20 विश्व कप सहित इन खेलों पर रहेगी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय खेलों के लिए वर्ष 2026 रोमांचक और चुनौतीपूर्ण रहने वाला है जिसमे विभिन्न खेलों में विश्व खिताब दाव पर होंगे और ओलंपिक क्वालीफिकेशन का नया सत्र शुरू होगा जिससे लॉस एंजिलिस खेल 2028 के टिकट कटाने का मौका मिलेगा। भारत के नए और पुराने खिलाड़ी अगले साल की चुनौतियों के लिए तैयार हो रहे हैं, ऐसे में नए साल के खेल कैलेंडर पर नजर डाली है।

अंडर-19 विश्व कप, टी20 विश्व कप

साल की पहली तिमाही क्रिकेट को समर्पित होगी क्योंकि देश के पसंदीदा खेल में इस साल तीन विश्व कप हैं। यह 15 जनवरी से 6 फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में 50 ओवर के अंडर-19 विश्व कप से शुरू होगा, जहां वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे जैसे उभरते हुए युवा सितारों पर करीब से नजर रखी जाएगी।

अंडर-19 विश्व कप फाइनल के एक दिन बाद सीनियर पुरुष टीम भारत और श्रीलंका की मेजबानी में 7 फरवरी से 8 मार्च तक होने वाले टी20 विश्व कप में खिताब के बचाव के लिए उतरेगी।

आस्ट्रेलियाई ओपन 12 जनवरी से एक फरवरी के बीच आयोजित होगा लेकिन भारत की चुनौती असरदार नहीं है। बैडमिंटन आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप तीन मार्च से शुरू होगी जिसमें पी वी सिंधू और बाकी भारतीय खिलाड़ी 2025 की नाकामी से उबरना चाहेंगे।

भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है कि एक मार्च से ऑस्ट्रेलिया में शुरू हो रहे एएफसी महिला एशियाई कप में लंबे समय बाद भारतीय टीम खेलते नजर आएगी।

एशियाई मुक्केबाजी और भारोत्तोलन चैम्पियनशिप, महिला टी20 विश्व कप

मार्च के आखिर से अप्रैल तक साइप्रस में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट खेला जाएगा जिससे विश्व चैम्पियनशिप खिताब के चैलेंजर का पता चलेगा। अभी भारत के डी गुकेश विश्व चैम्पियन हैं।

मंगोलिया में एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप खेली जाएगी। दोनों टूर्नामेंट 28 मार्च से शुरू होंगे जिसमें ओपन वर्ग में भारत के आर प्रज्ञानानंदा और महिला वर्ग में आर वैशाली, कोनेरू हम्पी और दिव्या देशमुख भाग लेंगे। शतरंज टूर्नामेंट 16 अप्रैल तक चलेगा और मुक्केबाजी टूर्नामेंट 11 अप्रैल को खत्म होगा।

एशियाई भारोत्तोलन चैम्पियनशिप एक से 10 अप्रैल तक अहमदाबाद में खेली जाएगी।

इसके बाद 24 अप्रैल से तीन मई तक थॉमस और उबेर कप बैडमिंटन खेला जाएगा।

इसके कुछ दिन बाद आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैम्पियनशिप फाइनल्स लंदन में 28 अप्रैल से दस मई तक चलेगा जिसके लिए भारतीय महिला और पुरूष टीमों ने क्वालीफाई कर लिया है।

जून में महिला टी20 विश्व कप होगा जिसमें हरमनप्रीत कौर की टीम 2025 में वनडे विश्व कप की सफलता को दोहराना चाहेगी।

एथलेटिक्स सत्र की शुरूआत मई में डायमंड लीग से होगी जिसमें भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा पर नजरें होंगी।

मई में फ्रेंच ओपन और जून में विम्बलडन खेला जायेगा।

इसके बाद अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रूप से फीफा विश्व कप फुटबॉल का आयोजन होगा।

राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल और डायमंड लीग

राष्ट्रमंडल खेल 23 जुलाई से दो अगस्त तक ग्लास्गो में आयोजित होंगे जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से एथलेटिक्स, मुक्केबाजी और भारोत्तोलन में देखने को मिलेगा। निशानेबाजी, कुश्ती और हॉकी जैसे खेलों को बजट में कटौती के लिए रोस्टर से हटा दिया गया है।

इन खेलों के बाद दिल्ली में 17 अगस्त से विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप होनी है। नीदरलैंड और बेल्जियम में 14 अगस्त से हॉकी विश्व कप शुरू होगा। भारतीय पुरूष टीम एशिया कप जीतकर विश्व कप का टिकट कटा चुकी है जबकि महिला टीम मार्च में हैदराबाद में क्वालीफायर खेलेगी।

इसी दौरान भुवनेश्वर में 22 अगस्त से विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर रजत स्तर का टूर्नामेंट होगा। जापान के नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक एशियाई खेलों का आयोजन होगा। इसमें हॉकी में स्वर्ण जीतने वाली टीम लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 का टिकट कटायेगी जबकि निशानेबाजी में भी कोटा स्थान होंगे।

एथलेटिक्स में डायमंड लीग फाइनल चार से पांच सितंबर तक ब्रसेल्स में होगा।

शतरंज ओलंपियाड का 46वां सत्र सितंबर में ताशकंद में खेला जाएगा।

कुश्ती, भारोत्तोलन और आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप

बहरीन में 24 अक्टूबर से विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप होगी।

इसके बाद भारोत्तोलन विश्व चैम्पियनशिप 27 अक्टूबर से आठ नवंबर तक खेली जाएगी।

एक नवंबर से दोहा में ढ्रुस्स्न विश्व चैम्पियनशिप होगी।

दिसंबर में विश्व शतरंज चैम्पियनशिप होगी जिसकी तारीख और स्थान अभी तय नहीं है।

राशिद की कप्तानी में टी20 विश्वकप में उतरेगी अफगानिस्तान की टीम

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने अगले माह भारत और श्रीलंका मे होने वाले टी-20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी स्टार स्पिनर राशिद खान को दी गयी जबकि इब्राहिम जादरान को उपकप्तान बनाया गया है। अफगान टीम को विश्वकप से पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज भी खेलनी है।

विश्वकप के लिए फजलहक फारूकी और गुलबदीन नईब को टीम में शामिल किया गया है। इन दोनो को ही इससे पहले हुए बांग्लादेश दौरे के लिए भी शामिल नहीं किया गया था। वहीं मुजीब उर रहमान और नवीन-उल-हक को भी टीम में शामिल किया गया है।

नवीन इससे पहले एशिया कप के दौरान फिटनेस कारणों से टीम से बाहर थे।

वहीं युवा मिस्ट्री स्पिनर गजनफर को रिजर्व खिलाड़ियों में रखा गया है। उनके साथ इजाज अहमदजई और जिया उर रहमान शरीफी को भी रिजर्व सूची में शामिल किया है।।

अफगान टीम पिछली बार टी-20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंची थी। उसने तब न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश को पराजित किया था।

वहीं विश्वकप से पहले अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच 19 से 22 जनवरी तक टी-20 सीरीज खेली जाएगी। टी-20 विश्व कप 2026 में अफगानिस्तान को ग्रुप डी में न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, यूएई और कनाडा के साथ रखा गया है।

टी-20 विश्वकप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित , मिचेल मार्श होंगे कप्तान

मेलबन (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अगले माह भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप के लिए अपनी संभावित 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम का कप्तान मिचेल मार्श को बनाया गया है। इसमें पहली बार तीन स्पिनरों को भी शामिल किय गया है। गेंदबाजी पर ज्यादा भरोसा जताया है। टीम में हालांकि आक्रामक बल्लेबाज मिचेल ओवेन को शामिल नहीं किये जाने पर सभी हैरान हैं। टीम में बाएं हाथ के किसी भी तेज गेंदबाज को शामिल नहीं किया गया है।

टीम में स्पिनर मैथ्यू कुह्नेमन , ऑलराउंडर कूपर कोनोली और तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट को पहली बार शामिल किया गया है। कोनोली को शामिल किये जाने से सभी हैरान हैं क्योंकि वह पिछले 12 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में शामिल नहीं थे। तेज गेंदबाज पैट कमिंस के अलाव टीम में ऑलराउंडर के तौर पर ग्लेन मैक्सवेल और कैमरन ग्रीन शामिल हैं। गेंदबाजी के लिए कमिंस के साथ तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के अलावा स्पिनर एडम जम्पा और मार्कस स्टोइनिस रहेंगे।

मार्श-हार्डी ने हरिकेंस की घरेलू जीत का सिलसिला रोका, नए साल पर खेली रिकॉर्ड तोड़ पारी

होबार्ट (एजेंसी)। एक रिकॉर्ड-ब्रेकिंग नए साल के दिन के मुकाबले में पर्थ स्कॉर्चर्स ने बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए होबार्ट हरिकेंस को 40 रनों से हरा दिया और घर पर उनकी लगातार 9 मैचों की जीत का सिलसिला खत्म कर दिया। मिशेल मार्श और आरोन हार्डी ने मिलकर 164 रनों की ऐतिहासिक साझेदारी की, जिससे स्कॉर्चर्स ने 229/3 का विशाल स्कोर बनाया - इस सीजन में यह उनका तीसरा 200 से ज़्यादा का स्कोर था - जिसके बाद गेंदबाजों ने मिलकर हरिकेंस को 189/9 पर रोक दिया।

हरिकेंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, यह फैसला शुरू में सही लग रहा था जब नाथन एलिस ने फिन एलन को 16 रन पर आउट किया और मिशेल ओवेन ने कूपर कॉनोली को सिर्फ 4 रन पर आउट कर दिया। छठे ओवर की शुरुआत में जब स्कॉर्चर्स 2 विकेट पर 53 रन बनाकर लड़खड़ा रहे थे, तो हरिकेंस का पलड़ा भारी लग रहा था। हालांकि, जब मैथ्यू वेड ने 18 रन पर मिशेल मार्श का कैच छोड़ दिया, तो मैच का रुख पूरी तरह से बदल गया। यह हरिकेंस के लिए एक महंगा मौका था, क्योंकि मार्श एक आक्रामक बल्लेबाज बन गए।

मार्श ने 58 गेंदों में शानदार 102 रन बनाए, इस पारी में उन्होंने जिस पहली गेंद का सामना किया, उस पर क्रिस जॉर्डन को एक बड़ा छक्का लगाया। उनके साथ हार्डी ने एक शानदार सहायक भूमिका निभाई और सिर्फ 43 गेंदों में 94 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों ने मिलकर सिर्फ 84 गेंदों में तीसरे विकेट के लिए BBL में एक नया साझेदारी रिकॉर्ड बनाया। उनकी शानदार हिटिंग के सामने हरिकेंस के गेंदबाजों के पास कोई जवाब नहीं था; जॉर्डन और रिले मेरेडिथ जैसे अनुभवी गेंदबाज भी

दबाव में आ गए। मार्श आखिरकार आखिरी ओवर में बाउंड्री पर कैच आउट हो गए, लेकिन तब तक नुकसान हो चुका था क्योंकि पर्थ ने मेजबान टीम के सामने एक बड़ा लक्ष्य रखा था।

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में विराट बना सकते हैं रिकार्ड

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज रिकी पोंटिंग का रिकार्ड तोड़ने का अवसर है। सहवाग और पोंटिंग ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय में सबसे अधिक छह–छह शतक लगाये हैं। वहीं विराट के नाम भी अभी छह शतक ही हैं। ऐसे में आने वाली तीन मैचों की सीरीज में एक और शतक लगाते ही वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा एकदिवसीय शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। ऐसा करके वह सहवाग और रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ देंगे, भारत और न्यूजीलैंड के बीच एकदिवसीय सीरीज 11 जनवरी से शुरू होगी। विराट का कीवी टीम के खिलाफ रिकार्ड अच्छा रहा है। उन्होंने कीवी टीम के खिलाफ एकदिवसीय में 1600 से ज्यादा रन बनाये हैं।

शमी की न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से भारतीय टीम में हो सकती है वापसी

मुम्बई (ईएमएस)। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को अब नये साल में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से अवसर मिल सकता है। शमी की साल 2025 में लगातार उपेक्षा हुई, इसके अलावा वह फिटनेस को लेकर भी परेशान रहे जिससे भी उनके भविष्य को लेकर सवाल उठे हैं। वहीं शमी ने इसके बाद घरेलू क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से फार्म और फिटने को साबित किया। वहीं माना जा रहा है कि इस गेंदबाज को इस साल चयनकर्ता अवसर दे सकते हैं। इससे 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए उनकी वापसी होने की उम्मीद है। शमी के घरेलू प्रदर्शन पर चयनकर्तों की नजरें बनी हुई हैं। ऐसे में उनकी टीम में वापसी कठिन नहीं मानी जा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसान शमी पर लगातार चर्चा हो रही है। वह चयन की दौड़ से बाहर नहीं हैं। स चिंता उनकी फिटनेस को लेकर है। ह न्यूजीलैंड एकदिवसीय सीरीज लिए अच्छे दिख रहे हैं। ऐसे में उन्हें इस सीरीज में भी अवसर मिल सकता है। उनके पास लंबा अनुभव है जिसका लाभ लिया जा सकता है। शमी ने अंतिम बार मार्च 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था उसके बाद से ही वह टीम में वापसी नहीं कर पाये। वह वह टूर्नामेंट में मोहम्मद शमी भारत के संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। उन्होंनइ इसी टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम मैच था, जबकि टेस्ट में जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के बाद से ही टीम से बाहर हैं। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अपने पिछले छह मैचों (तीन विजय हजारे ट्रॉफी और तीन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी) में 17 विकेट लिए हैं।

रांची रॉयल्स और तमिलनाडु ड्रैगन्स का उत्कृष्ट प्रदर्शन और मजबूत रक्षापंक्ति पर फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2026 सीजन के लिए रांची रॉयल्स और अकॉड 'तमिलनाडु ड्रैगन्स गति, उत्कृष्ट प्रदर्शन, आक्रामक शैली और मजबूत रक्षापंक्ति पर फोकस कर रही है। जहां रॉयल्स गति, उत्कृष्ट प्रदर्शन और आक्रामक शैली पर फोकस किये हुए है, वहीं ड्रैगन्स ने शीर्ष स्तर की गोलकीपिंग और भरोसेमंद पेनल्टी-कॉर्नर विकल्प के साथ एक मजबूत रक्षापंक्ति बनाने पर जोर है।

गोनासिका की जगह लीग में इस बार रांची रॉयल्स नई फ्रेंचाइजी के तौर पर प्रवेश कर रही है। उसने एक ऐसी टीम बनाई है जो मिडफील्ड में लचीलेपन और मैदान में तेज गतिविधि पर जोर देती है। 400 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी मनप्रीत सिंह पर टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी है। मुख्य कोच हरेंद्र सिंह के अंडर, रॉयल्स ने मनप्रीत को 2025 एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर बेल्जियम के टॉम बून के साथ जोड़ा है। यह एक ऐसी मिडफील्ड जोड़ी है जो मैचों की लय को नियंत्रित कर सकती है।

वहीं रक्षापंक्ति की बात की जाए तो रॉयल्स ने अनुभवी भारतीय डिफेंडर नीलम संजीव जेस के साथ बेल्जियम के डिफेंडर मैक्सिम वैन ऊट्स और ऑस्ट्रेलिया के टिम हॉवड 'को शामिल करके अपनी बैकलाइन को मजबूत किया है। आक्रामक प्रदर्शन के मामले में रॉयल्स मंदीप सिंह की फिनिशिंग काबिलियत और युवा फॉरवर्ड अराजित सिंह हुंडल की गति और शक्ति पर भरोसा करेंगे। रांची रॉयल्स अपना अभियान चार जनवरी को चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में वेदांता कलिंगा लांसर्स के खिलाफशुरू करेंगे।

इस बीच एकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स 2025 में अपने सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को ध्यान में रखते हुए रक्षापंक्ति और कॉर्नर, फ्री-किक, या थ्रो-इन जैसी रुकी हुई गेंदों से गोल करने या बचाव करने की टीम की क्षमता (सेट-पीस एफिशिएंसी) पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। दुनिया के सबसे भरोसेमंद रक्षकों में से एक, कप्तान अमित रोहिदास की अगुवाई में ड्रैगन्स लीग के सबसे मजबूत गोलकीपिंग ग्रुप में से एक हैं। जो दो बार एफआईएच गोलकीपर ऑफ द ईयर रहे आयरलैंड के डेविड हार्ट टीम के गोलकीपर हैं, उनके साथ प्रिंस दीप सिंह भी हैं, जिन्होंने 2025 जूनियर वल्ड 'कप में शूटआउट में शानदार प्रदर्शन किया था।

आक्रमण के लिए ड्रैगन्स ऑस्ट्रेलिया के ब्लेक गोवर्स पर भरोसा है। मिडफील्ड में मोहम्मद राहील मौसीन और जर्मनी के पॉल कॉफमैन उनका साथ देते हैं, जो टीम को स्ट्रक्चर और अनुशासन देते हैं। अकॉड 'तमिलनाडु ड्रैगन्स तीन जनवरी को हैदराबाद तूफान्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर सीजन की शुरुआत करेगी। घरेलू समर्थन के साथ वह जीत के इरादे से मैदान में उतरेंगे।

दोनों टीमें :

रांची रॉयल्स टीम : सूरज करकेरा, पंकज कुमार रजक, आमिर अली, जोशुआ बेल्ट्ज़ (ऑस्ट्रेलिया), नीलम संजीव जे़स, अनमोल एक्का, मनप्रीत सिंह, टॉम बून (बेल्जियम), विष्णुकांत सिंह, यशदीप सिवाच, मुस्तफा कैसिएम (दक्षिण अफ्रीका), अरजीत सिंह हुंदल, मनदीप सिंह, टिम हॉवर्ड (ऑस्ट्रेलिया), मैक्सिम वैन ऊट्स (बेल्जियम), रवनीत सिंह, मनमीत सिंह राय, जैक वालर (इंग्लैंड), सैम लेन (न्यूजीलैंड), आशीष पूर्ति।

अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स टीम : डेविड हार्टे (आयरलैंड), प्रिंसदीप सिंह, अमित रोहिदास, पॉल कॉफमैन (जर्मनी), सैंडर डी विजन (नीदरलैंड), आनंद लाकड़ा, पृथ्वी जीएम, टॉम सोर्स्बी (ग्रेट ब्रिटेन), टॉम क्रेग (ऑस्ट्रेलिया), मोहम्मद राहील मौसीन, शेषे गौड़ा, चंदन यादव, अरुण जे, एड्रोहित एक्का, सुशील धनवार, ब्लेक गोवर्स (ऑस्ट्रेलिया), सेल्वम कार्थी, नाथन एफ्राम्स (ऑस्ट्रेलिया), उत्तम सिंह, के सेल्वराज।

रियल मैड्रिड को लगा बड़ा झटका, ला लीगा मैच से पहले एमबाप्पे के घुटने में लगी चोट

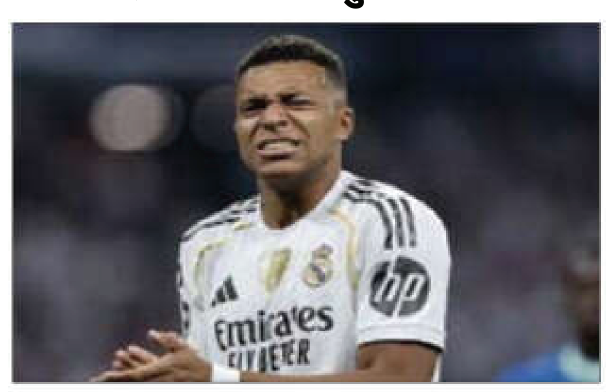

मैड्रिड । रियल मैड्रिड ने पुष्टि की है कि टॉप स्कोरर किलियन एमबाप्पे को ट्रेनिंग के दौरान घुटने में चोट लग गई है। इस वजह से वह रविवार को बेटिस के खिलाफ घर पर होने वाले ला लीगा मैच से बाहर रहेंगे और सऊदी अरब में होने वाले स्पेनिश सुपरकप में भी उनके खेलने पर संदेह है। क्लब ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर बताया, 'हमारे खिलाड़ी किलियन एमबाप्पे पर रियल मैड्रिड मेडिकल सर्विसेज द्वारा आज किए गए टेस्ट के बाद, उनके बाएं घुटने में मोच का पता चला है।' जैसा कि रियल मैड्रिड के साथ आम तौर पर होता है, मेडिकल रिपोट 'में यह नहीं बताया गया कि फ्रांसीसी स्ट्राइकर कब वापसी करेंगे, बस इतना कहा गया कि 'उनकी प्रगति पर नजर रखी जाएगी।' यह तथ्य कि रियल मैड्रिड 8 जनवरी को जेद्दा में सुपरकप के दूसरे सेमीफाइनल में एटलेटिको के खिलाफ खेलेगा, इसका मतलब है कि उनके पास ठीक होने के लिए बहुत कम समय है और उन्हें इस प्रतियोगिता के लिए एक बड़ा संदिग्ध माना जाना चाहिए, जिसका फाइनल 11 जनवरी को है। ज्यादातर का मानना है कि सऊदी अरब में रियल मैड्रिड के कोच जाबी अलोंसो की नौकरी दांव पर लगी है और टीम अपने स्टार खिलाड़ी के बिना अलोंसो के भविष्य के लिए खेल सकती है। एमबाप्पे ने इस सीजन में रियल मैड्रिड के 25 मैचों में से 24 में खेला है, जिस एकमात्र मैच में वह नहीं खेले थे, उसमें चैंपियंस लीग में मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ घर पर 2–1 से हार मिली थी। उन्होंने 18 ला लीगा मैचों में 18 गोल (रियल मैड्रिड के कुल 36 गोल का आधा) और पांच चैंपियंस लीग खेलों में नौ और गोल किए हैं।

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में नए साल पर धमाल मचाने के लिए तैयार है टेनिस

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। नया साल शुरू होते ही टेनिस हमेशा की तरह ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में धमाल मचाने के लिए तैयार है जिसका मुख्य आकर्षण 18 जनवरी से शुरू होने वाला ऑस्ट्रेलियाई ओपन होगा। ATP और WTA के 2025 फाइनल्स के छह सप्ताह से कुछ अधिक समय बाद पुरुष और महिला टूर के खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड पहुंच रहे हैं, जहां वे मेलबर्न में वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट से पहले दो सप्ताह तक विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे।

इनमें सबसे महत्वपूर्ण यूनाइटेड कप है जो मिश्रित टीम टूर्नामेंट है और शुक्रवार से शुरू होकर 11 जनवरी को समाप्त होगा। यह टूर्नामेंट पर्थ और सिडनी में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में दुनिया के शीर्ष 10 पुरुष और महिला खिलाड़ियों में से चार-चार खिलाड़ी भाग लेंगे। इनमें कोको गॉफ, टेलर फ्रिट्ज, एलेक्स डी मिनौर, इगा स्वियातेक, अलेक्जेंडर ज़्वेरेव, जैस्मीन पाओलिनी और फेलिक्स ऑगर एलियासिमे शामिल हैं।

इसके अलावा 2026 के पहले सप्ताह के दौरान ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में मौजूदा चैंपियन एरिना सबलेंका मुख्य आकर्षण होंगी, जो दुबई में निक किर्गियोस के खिलाफ 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' प्रदर्शनी मैच खेलकर आ रही हैं। लेकिन ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले होने वाले टूर्नामेंटों में पुरुष टेनिस के दो सबसे बड़े नाम विश्व रैंकिंग में पहले नंबर पर काबिज कार्लोस अल्काराज़ और दूसरे नंबर के यानिक सिनर नहीं खेलेंगे।

अल्काराज और सिनर ने पिछले 10 ग्रैंड स्लैम एकल खिताबों में से 9 जीते हैं। उन्होंने 10 जनवरी को दक्षिण कोरिया के इंचियोन में एक प्रदर्शनी मैच खेलने का फैसला किया है। इसके बाद उम्मीद है कि वे मेलबर्न पार्क में अपनी तैयारियां शुरू करने के लिए ऑस्ट्रेलिया आएंगे। अल्काराज 7 साल बाद अपना पहला ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट लंबे समय तक अपने कोच रहे जुआन कार्लोस फेरेरो के बिना खेलेंगे। स्पेन के खिलाड़ी ने हाल ही में अपने कोच से अलग होने की घोषणा की थी। अल्काराज ने अभी तक अपने नए कोच के नाम की घोषणा नहीं की है।

यूनाइटेड कप में भाग लेने वाले अन्य खिलाड़ियों में एम्मा राडुकानु, नाओमी ओसाका, स्टेफानोस सिटसिपास और स्टेन वावरिंका शामिल हैं। वावरिंका पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि साल 2026 उनका टूर पर आखिरी साल होगा। यूनाइटेड कप की शुरुआत शुक्रवार को पर्थ में यूनान और जापान के बीच होने वाले मैच से होगी।

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में सबालेंका के अलावा अमांडा अनिसिमोवा, डब्ल्यूटीए फाइनल चैंपियन एलेना रायबाकिना, मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन मैडिसन कीज़, जेसिका पेगुला और मीरा एंड्रीवा भी भाग लेंगी। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए अभ्यास के तौर पर होने वाला एक अन्य टूर्नामेंट ATP-WTA एडिलेड इंटरनेशनल 12 से 17 जनवरी तक खेला जाएगा जिसका मुख्य आकर्षण 24 बार के ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन नोवाक जोकोविच होंगे। ऑस्ट्रेलिया के होबार्ट में भी एक WTA 250 टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा।

न्यूजीलैंड के ऑकलैंड शहर में पांच से 11 जनवरी तक महिला टेनिस टूर्नामेंट (WTA) आयोजित किया जाएगा। इसके बाद 12 से 17 जनवरी तक उसी स्थान पर एटीपी टूर्नामेंट खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई ओपन शुरू होने से कुछ दिन पहले किर्गियोस और फ्रांसिस टियाफो मेलबर्न के कूयोंग में एक प्रदर्शनी मैच भी खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से इतर हांगकांग में पांच से 11 जनवरी तक एक एटीपी टूर्नामेंट खेला जाएगा।

सिडनी टेस्ट के बाद खेल को अलविदा कह देंगे ख्वाजा : क्लार्क

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि अंतिम एशेज टेस्ट के साथ ही अनुभवी सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा संन्यास की घोषणा कर देंगे। क्लार्क ने कहा कि ख्वाजा पिछले काफी समय से अपनी फार्म और फिटनेस से जूझ रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की एशेज सीरीज का अंतिम टेस्ट मैच चार जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। इस सीरीज में ख्वाजा ने अब तक तीन टेस्ट मैच खेले हैं पर वह प्रभावित नहीं कर पाये हैं। ट्रैविस हेड और जेक वेदराल्ड के अच्छे प्रदर्शन के कारण उन्हें तीनों ही मैचों में मध्यक्रम में उतरना पड़ा था। साल 2025 ख्वाजा के लिए अच्छा नहीं रहा था। उन्होंने उसमें 10 टेस्ट मैचों में कुल 614 रन बनाए थे। ख्वाजा की बढ़त उम्र के कारण भी वह संन्यास के करीब हैं। उन्हें पर्थ में पहले एशेज टेस्ट के दौरान करियर में पहली बार पीठ में अकड़न भी हुई थी। चोट के कारण वह दूसरा टेस्ट भी नहीं खेल पाए थे। हालांकि, उन्होंने तीसरे मैच में वह वापसी करने में सफल रहे थे। वह मेलबर्न में चौथे मैच में फ्लॉप रहे। क्लार्क का मानना ??है कि उस्मान को सिडनी टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की अंतिम ग्यारह में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह ख्वाजा का फेयरवेल टेस्ट होगा। मुझे उम्मीद है कि वह इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

फिल्मों को अब चिल्लाने की जरूरत नहीं

दर्शक बारीकियों को समझने लगे हैं

अभिनेत्री वामिका गब्बी का मानना है कि पिछले कुछ दशकों में भारतीय सिनेमा में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि दर्शक अब बारीकियों को समझने लगे हैं। वामिका ने बताया कि अब कहानी कहने को वह सम्मान और जगह मिल रही है, जिसकी वह हकदार थी। 21वीं सदी की पहली तिमाही खत्म होने पर उन्होंने समकालीन सिनेमा की तारीफ करते हुए कहा, अब शांत और बारीक कहानियां भी दर्शकों तक पहुंच रही हैं, जिन्हें असर डालने के लिए जोर-जोर से चिल्लाने की जरूरत नहीं पड़ती। मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह है कि कहानी कहने को कितनी जगह मिली है। पिछले कुछ दशकों ने शांत कहानियों, कमजोर किरदारों और ऐसी भावनाओं को जगह दी है, जिन्हें सुनाने के लिए चिल्लाना नहीं पड़ता। अभिनेत्री वामिका गब्बी का कहना है कि आज का भारतीय सिनेमा पहले से ज्यादा समावेशी और संवेदनशील हो गया है। वह मानती हैं कि आने वाले समय में यह और भी बेहतर होगा, क्योंकि दर्शक अब गहरी और बारीक कहानियों को सराहने लगे हैं। सिनेमा अब मनोरंजन तक सीमित नहीं है। उन्होंने आगे बताया कहा, टेक्नोलॉजी ने फिल्मों को तेजी से और ज्यादा लोगों तक पहुंचाने में मदद की, लेकिन असली बदलाव दर्शकों का भरोसा है। आज का दर्शक बारीकियों और जटिलता को समझने के लिए तैयार है। अब ऐसी परफॉर्मेंस और कहानियां जगह बना रही हैं जो धीरे-धीरे खुलती हैं और लंबे समय तक याद रहती हैं। वामिका के अनुसार, यह बदलाव सिनेमा को नई दिशा दे रहा है। वामिका गब्बी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करीना कपूर और शाहिद कपूर की फिल्म जब वी मेट से की थी। इसके बाद पंजाबी सिनेमा में कई फिल्में कर खुद को लीडिंग अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया। वामिका तमिल, मलयालम समेत अन्य भाषाओं की फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं।

निमरत ने कौर मांगा आशीर्वाद

फिल्म और वेब सीरीज की चमक-दमक भरी दुनिया में रहने वाले सितारे अक्सर चर्चाओं में बने रहते हैं, कभी प्रोजेक्ट्स को लेकर, तो कभी निजी जिंदगी को लेकर। इस कड़ी में अभिनेत्री निमरत कौर जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर वेकेशन को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने प्रसिद्ध शंकराचार्य मंदिर में पूजा-अर्चना की और आने वाले साल के लिए शुभकामनाएं मांगीं। निमरत कौर ने इंस्टाग्राम पर मंदिर का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें शंकराचार्य मंदिर की भव्यता और आसपास की प्राकृतिक सुंदरता की झलक देखने को मिल रही है। वीडियो के साथ निमरत ने एक भावुक कैप्शन भी लिखा। अभिनेत्री ने कहा, 'यह 2025 का आखिरी सोमवार था, और ऐसे पवित्र दिन पर भगवान शिव के दर्शन करना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा। उन्होंने लिखा, ' 'इस साल मुझे जो भी आशीर्वाद और मौके मिले, उसके लिए मैं दिल से आभारी हूं और भगवान शिव की कृपा से आने वाला साल सभी के लिए सकारात्मक और उज्ज्वल हो। वीडियो में निमरत कौर को बेहद सादगी भरे अंदाज में देखा जा सकता है।

निमरत कौर ने अपने प्रशंसकों के साथ मुलाकात भी की

मंदिर यात्रा के दौरान निमरत कौर ने अपने प्रशंसकों के साथ भी मुलाकात की। वीडियो में वह फैंस के साथ सेल्फी लेती हुई और उनसे बातचीत करती नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर उनके इस वीडियो को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। एक तरफ निजी जिंदगी में वह वेकेशन का लुत्फ उठा रही हैं, तो वहीं पेशेवर जिंदगी में वह हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'द फैमिली मैन सीजन 3' में अपने किरदार मीरा को मिल रही सराहना का आनंद ले रही हैं। सीरीज में वह नेगेटिव किरदार में नजर आई थी।

कृति खरबंदा ने व्हाट्सएप धोखाधड़ी को लेकर फैंस को दी चेतावनी

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति खरबंदा ने हाल ही में एक गंभीर साइबर धोखाधड़ी मामले को लेकर अपने फैंस और फॉलोअर्स को सतर्क किया है। अभिनेत्री ने खुलासा किया है कि कोई अज्ञात व्यक्ति व्हाट्सऐप पर उनके नाम से फर्जी अकाउंट बनाकर लोगों से संपर्क कर रहा है। इस पहचान की चोरी की जानकारी कृति ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी के ज़रिए साझा की। कृति ने संदिग्ध व्हाट्सएप चैट का स्क्रीनशॉट पोस्ट करते हुए साफ किया कि वह नंबर उनका नहीं है। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'यह ठीक नहीं है। यह बिल्कुल भी सही नहीं है। यह मेरा नंबर नहीं है। किसी और की पहचान बनकर सामने आना साफ तौर पर पहचान की चोरी है। सतर्क रहें।' हालांकि कृति की पोस्ट पर फैंस ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और उन्हें जानकारी देने के लिए धन्यवाद कहा।

प्रभास की द राजा साब में मालविका मोहनन की एंट्री

टीम द राजा साब ने आधिकारिक तौर पर मालविका मोहनन के किरदार भैरवी का खुलासा कर दिया है, और इस अनाउंसमेंट ने फिल्म के प्रमोशन में एक बड़ा ट्विस्ट जोड़ दिया है. भैरवी को एक रहस्यमयी, स्टाइलिश और दमदार शख्सियत के रूप में पेश किया जा रहा है, जिससे फिल्म की कहानी के प्रति जिज्ञासा और भी बढ़ गई है। इंडिया की सबसे बड़ी आने वाली हॉरर फैंटेसी कही जा रही इस फिल्म के लिए यह अनावरण उत्सुकता को एक नए लेवल पर ले गया है। नए पोस्टर में मालविका मोहनन शीर ब्लैक साड़ी, स्टेटमेंट ब्लाउज, लेयर्ड ब्रेसलेट्स, टेक्सचर्ड हैंडबैग और सनग्लासेस को स्टाइल के साथ उठाते हुए नजर आ रही हैं. उनकी शांति भरी नजरें और आत्मविश्वासी अंदाज एक साथ एलीगेंस और खतरनाक आकर्षण दोनों को बखूबी दिखाते हैं. पीछे दिखता सूना सा कॉरिडोर माहौल को और भूतिया बनाता है और साफ दिखाता है कि भैरवी फिल्म के रहस्य में एक बेहद अहम किरदार है। गानों और ट्रेलर को मिल रही जोरदार दर्शक प्रतिक्रिया के बाद द राजा साब लगातार जबरदस्त गति पकड़ रहा है. दर्शक फिल्म के संगीत, विजुअल भव्यता और नए टोन की खूब तारीफ कर रहे हैं. खास तौर पर लोग प्रभास को एक नए, हल्के लेकिन लेयर्ड अंदाज में देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं, जहां उनका चार्म कहानी की रहस्यमय सुपरनैचुरल दुनिया के साथ मिलता है। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में 9 जनवरी 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

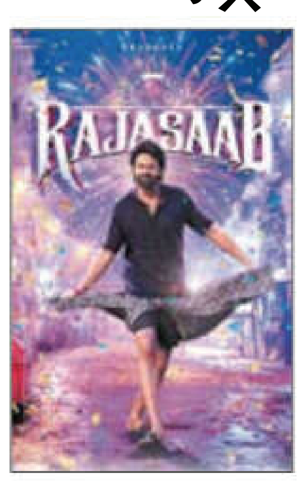

साल 2025 में इन सात टीवी स्टार्स ने की वापसी, स्मृति ईरानी से लेकर शिल्पा शिंदे का नाम शामिल

साल 2025 टीवी जगत के लिए खास रहा, क्योंकि कई पॉपुलर स्टार्स लंबे ब्रेक के बाद छोटे पर्दे पर लौटे। इनमें स्मृति ईरानी, शिल्पा शिंदे और शरद केलकर जैसे कई स्टार्स के नाम शामिल हैं। फैंस इनकी वापसी से काफी खुश हुए और कई शोज की टीआरपी भी बढ़ी। आइए जानते हैं कि इन स्टार्स ने किस सीरियल से कब और कैसे कमबैक किया।

शिल्पा शिंदे

शिल्पा शिंदे ने अपनी मशहूर भूमिका अंगूरी भाभी के साथ कमबैक किया। वह भाबी जी घर पर हैं 2.0 में दिसंबर 2025 से नजर आईं। शो ×अङ्क पर 22 दिसंबर 2025 से शुरू हुआ। शिल्पा की वापसी से शो की टीआरपी में उछाल आया और फैंस काफी उत्साहित हैं।

स्मृति ईरानी

लंबे समय बाद इस साल स्मृति ईरानी ने अपनी आइकॉनिक भूमिका तुलसी विरानी के साथ वापसी की। उन्होंने एकता कपूर के पॉपुलर शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 में जुलाई 2025 से मुख्य भूमिका निभाई। यह शो स्टार प्लस पर 29 जुलाई 2025 से शुरू हुआ। स्मृति की वापसी ने पुरानी यादें ताजा कर दीं और शो हिट साबित हो रहा है।

शरद केलकर

शरद केलकर ने आठ साल बाद टीवी पर वापसी की। उन्होंने जी टीवी के शो तुम से तुम तक में जुलाई 2025 से आर्यवर्धन की मुख्य भूमिका निभाई। यह शो 7 जुलाई 2025 से शुरू हुआ और इसमें अनोखी लव स्टोरी दिखाई गई।

माही विज

माही विज ने नौ साल बाद टीवी पर कमबैक किया। वह कलर्स टीवी के शो सेहर होने को है में दिसंबर 2025 से कौसर (एक बहादुर मां) की भूमिका में नजर आईं। फैंस उनकी इमोशनल परफॉर्मेंस से काफी खुश हुए।

रिद्धिमा पंडित

रिद्धिमा पंडित ने पांच साल बाद कमबैक किया। वह सोनी सब के शो उफ्फ ये लव है मुश्किल में अगस्त 2025 से शब्बीर अहलूवालिया की एक्स-वाइफ की नेगेटिव भूमिका में नजर आईं। फैंस को उनका नया अवतार काफी पसंद आया।

गौरव चोपड़ा

गौरव चोपड़ा ने पांच साल के ब्रेक के बाद सोनी सब के शो पुष्पा इंपॉसिबल में मई 2025 से प्रोफेसर राजवीर शास्त्री की भूमिका निभाई। उनका किरदार तेज और सनकी प्रोफेसर का था, जो शो में नया ट्विस्ट लाया।

दो फिल्मों के साथ हॉरर, रोमांस और म्यूजिकल थ्रिलर की शुरुआत करने जा रही हैं ख्याति मदान

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में काफी समय से हॉरर जॉनर चर्चा का विषय बना हुआ है। इसे लेकर ओरिजिनल कंटेंट भी गढ़ा जा रहा है। इसी ट्रेंड को अब निर्माता ख्याति मदान भी आगे बढ़ा रही हैं। वह पहले शाहरुख खान की रेड चिलीज एंटरटेनमेंट डिज्नी इंडिया और मैडॉक फिल्म्स जैसी बड़ी कंपनियों में मार्केटिंग स्पेशलिस्ट रह चुकी हैं। ख्याति अब प्रोड्यूसर बन गई हैं। वह अपने प्रोडक्शन हाउस नॉट आउट एंटरटेनमेंट के जरिए दो फिल्मों के साथ बड़े पैमाने पर हॉरर, रोमांस और म्यूजिकल थ्रिलर की शुरुआत करने जा रही हैं। उनकी पहली फिल्म अभूतपूर्व, एक रोमांटिक हॉरर कॉमेडी है जो इसी महीने शुरू होगी। इसमें लीड में रोल में बंदिश बैंडिट्स फेम ऋत्विक भौमिक हैं। अभूतपूर्व छोटे शहर की मासूम मोहब्बत और मजेदार हॉरर कॉमेडी है। ख्याति के अनुसार, अभूतपूर्व नवंबर के अंतिम हफ्ते में आगरा में फ्लोर पर जाएगी।

फिल्म अभूतपूर्व से हो रहा है ऋत्विक का थिएट्रिकल डेब्यू

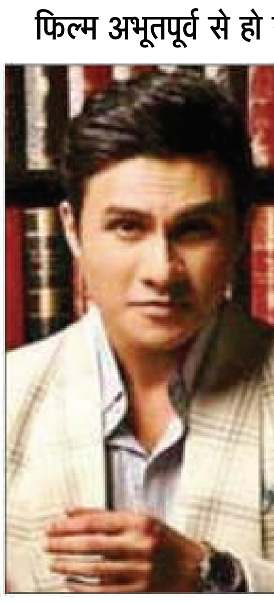

अभूतपूर्व फिल्म 1991 के दौर में सेट है। ऋत्विक भौमिक का इससे थिएट्रिकल डेब्यू होगा। निर्माता के मुताबिक यह कहानी किसी लोककथा पर नहीं, बल्कि पूरी तरह ओरिजिनल है। फिल्म रोमांस के साथ हॉरर-कॉमेडी का मेल पेश करेगी और इसका क्लाइमैक्स इमोशनल होगा।

म्यूजिकल हॉरर की शैली की होगी अहान शेट्टी की अगली फिल्म

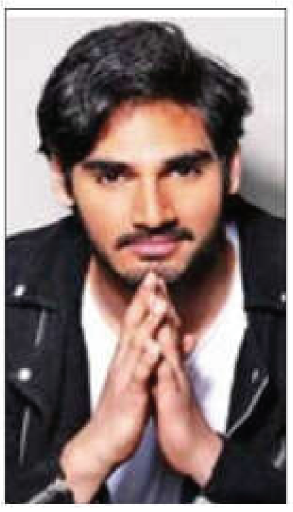

ख्याति की दूसरी फिल्म अहान के साथ हॉरर थ्रिलर है जो नेशनल ट्रेजेडी पर आधारित म्यूजिकल हॉरर है। अहान की बॉर्डर 2 पूरी होने के बाद यह शुरू होगी। इसे लिख इंटरनेशनल स्तर पर पहचाने जाने वाले फिल्ममेकर पैट्रिक ग्राहम (जिन्होंने नेटफ्लिक्स के लिए धूल और बेताल बनाई) रहे हैं। जिनकी हॉरर-थ्रिलर क्राफ्टिंग हॉलीवुड के ब्लमहाउस प्रोडक्शन के स्टैंडर्ड जैसी मानी जाती है। यह भारतीय सिनेमा की पहली हॉरर फिल्म होगी जो इतनी बड़ी घटना को हॉरर में पेश करेगी। फिल्म एक समय में हिंदी सिनेमा में लोकप्रिय म्यूजिकल हॉरर की शैली दर्शकों को याद दिलाएगी।

हॉरर फिल्में अच्छी कहानी पर चलती हैं...

ख्याति के मुताबिक, आज हॉरर सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि थिएट्रिकल स्टेबिलिटी देने वाला सबसे मजबूत जॉनर बन चुका है। ओटीटी के दौर में दर्शक वही फिल्में थिएटर में देखना चाहते हैं जिनका मजा घर पर नहीं मिल सकता। हॉरर का कलेक्टिव थ्रिल, अंधेरे हॉल में एक साथ चौंकना सबसे बड़ा यूएसपी है। हॉरर फिल्में स्टार पावर पर नहीं, कहानी पर चलती हैं। स्त्री, मुंज्या जैसी फिल्मों ने कम बजट में भारी कमाई की है। हॉरर-कॉमेडी, हॉरर-रोमांस और म्यूजिकल हॉरर जैसे हाइब्रिड जॉनर लगातार लोकप्रिय हो रहे हैं। इसमें क्रिएटिव प्रैक्टिकल करने की भी आजादी है। इसके अलावा ख्याति एक और फिल्म की प्रोड्यूसर हैं, जिसमें पूजा भट्ट और पंचायत फेम जितेंद्र कुमार हैं। यह कबूतर पालने की संस्कृति पर है।

मोम से भरे 12 कैप्सूल में छिपा रखा था 3.05 किलो सोना, मुंबई एयरपोर्ट पर पकड़ाया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में छत्रपति शिवाजी एयरपोर्ट पर सोने की स्मगलिंग करते एक यात्री को पकड़ा है। यह गिरफ्तारी निदेशालय ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने की। अधिकारियों ने बताया कि डीआरआई ने बहरीन से मुंबई आए एक यात्री को रोका और उसकी तलाशी ली। इस दौरान उसके पास 12 कैप्सूल में छिपा 3.05 किलो सोना बरामद किया है। मीडिया रिपोर्ट में डीआरआई ने बताया कि एक यात्री बहरीन से मुंबई पहुंचा था। वह एयरपोर्ट पर जब बाहर निकलने की कोशिश कर रहा था, उसी दौरान सुरक्षा अधिकारियों को उस पर कुछ शक हुआ। उसे रोका गया और चेकिंग शुरू की गई। इस दौरान उसके पास 12 कैप्सूल मिले, जो मोम से भरे हुए थे और उन्हें पानी के गिलास में छिपाया गया था, ताकि सुरक्षा जांच में पकड़े न जाए। जांच में पाया कि बरामद किया गया सोना 24 कैरेट शुद्ध है और इसकी कीमत करीब 3.89 करोड़ रुपए बताई जा रही है। डीआरआई अधिकारियों ने बताया कि यह गिरफ्तारी खुफिया सूचना के आधार पर की गई। उन्होंने बताया कि सोने की तस्करी की यह साजिश इंटरनेशनल गैंग से जुड़ी हो सकती है। इस पूरे मामले की जांच की जा रही है। बरामद सोने को जब्त कर लिया गया है। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। डीआरआई के अधिकारियों ने कहा कि सोने की स्मगलिंग को रोकने के लिए इसी तरह से आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। फिलहाल पकड़े गए आरोपी से पूछताछ की जा रही है और ये पता लगाया जा रहा है कि आखिर वह ये सोना कहां से और किसको देने वाला था। क्या इसके साथ और लोग भी इस नेटवर्क में जुड़े हैं।

राजस्थान में मावठ के साथ ओलावृष्टि का दौर शुरू

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में मावठ के साथ ओलावृष्टि का दौर शुरू हो गया है। नए साल के पहले दिन जयपुर, चित्तौड़गढ़, अजमेर सहित कई जिलों में सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही है। वहीं, बीकानेर में बुधवार देर रात हुई ओलावृष्टि से कड़ाके की सर्दी लौट आई है। गुरुवार सुबह से प्रदेश के अधिकतर जिले घने कोहरे की चपेट में रहे। जोधपुर में कोहरे के कारण फ्लाइट भी लेट हुई। वहीं, बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात चूरू के सादुलपुर में तेज बारिश के साथ मकान पर बिजली गिर गई। मौसम विभाग ने जयपुर, भरतपुर संभाग के जिलों में बारिश की चेतावनी दी है। मौसम विभाग ने प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में शीतलहर और घने कोहरे की भी चेतावनी जारी की है। राजस्थान में नए साल की शुरुआत के साथ तेज सर्दी का दौर शुरू हो गया है। राजधानी जयपुर में गुरुवार सुबह हल्की बरसात हुई। वहीं, चित्तौड़गढ़ में सुबह 5 बजे आधा घंटे तक तेज बरसात हुई। बीकानेर के ग्रामीण क्षेत्रों में बुधवार देर रात ओले भी गिरे। सीकर के रामगढ़ में भी आज सुबह तेज बरसात हुई। बारिश और ओलावृष्टि के कारण तापमान में दो-तीन डिग्री की गिरावट हुई। साथ ही अजमेर, अलवर, कोटा में सुबह से रुक-रुककर बरसात हो रही है।

पुरुषों के मुकाबले भारत में महिला कैदियों की संख्या बढ़ी भारत की जेलों में 23772 महिला कैदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में महिला कैदियों की संख्या में पिछले दो दशक में 162 फीसदी की वृद्धि हुई है। वहीं पुरुष कैदियों की संख्या में 77 फीसदी की वृद्धि हुई है। वर्ष 2000 से 2022 के बीच जेलों में महिला कैदियों की संख्या भारत में 9089 से बढ़कर 23772 पर पहुंच गई है। जो लगभग 162 फीसदी होती है। वहीं पुरुष कैदियों की संख्या 310310 से बढ़कर 549351 हो गई है। जो लगभग 77 फीसदी की वृद्धि दर्शाती है। हाल ही में इंस्टिट्यूट फॉर क्राइम एंड जस्टिस पॉलिसी रिसर्च की रिपोर्ट जारी हुई है। उसमें विश्व के देशों में महिला कैदियों को लेकर अधिकृत आंकड़ा जारी किया गया है। महिला कैदियों की संख्या जेलों में लगातार बढ़ती चली जा रही है। इससे लग रहा है, महिलाएं, अपराध में तेजी के साथ पुरुषों के मुकाबले ज्यादा सक्रिय हैं। महिलाएं संगठित अपराध मादक पदार्थ की तस्करी, इत्यादि में बड़े पैमाने पर जेल में जा रही हैं। इस समय अमेरिका में 174607 चीन में 145000 ब्राजील में 50441 रूस में 39153 थाईलैंड में 3300057 भारत में 23772 फिलिपींस में 17121 तुर्की में 16581 वियतनाम में 15152 और मैक्सिको की जेलों में 13841 महिलाएं जेलों में बंद है। दुनिया भर में महिला कैदियों की संख्या साल दर साल बढ़ती जा रही है। महिलाओं द्वारा किए जा रहे अपराधों की संख्या लगातार बढ़ती चली जा रही है।

मणिपुर में हथियार और विस्फोटकों का जखीरा बरामद, ड्रोन व उपकरण भी मिले

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के काकचिंग जिले में हथियार और विस्फोटकों का बड़ा जखीरा बरामद हुआ है। पुलिस ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि हथियारों की यह बरामदगी बुधवार को जिले के वाबगाई नाटेखोंग तुरेनमेई इलाके से की गई। पुलिस के मुताबिक जब्त किए गए हथियारों में एक एम-16 राइफल, एक एसएलआर, एक सिंगल-बैरल बंदूक, दो सिंगल-बैरल बोल्ट-एक्शन राइफल और एक 7.65 एमएम पिस्तौल शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बरामद विस्फोटकों और गोला-बारूद में 10 ग्रेनेड, चार डेटोनेटर, दो आर्म रिंग, करीब तीन किलोग्राम वजनी एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), एक विस्फोटक गोला, एक 51 एमएम मोर्टार बम, छह टीयर 'स्मोक शेल' और 71 कारतूस मिले हैं। अभियान में एक ड्रोन और उससे जुड़े उपकरण भी जब्त किए हैं। पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बल जिले के सीमावर्ती और संवेदनशील इलाकों में तलाशी और निगरानी अभियान चला रहे हैं।

कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद का अंतिम फैसला कांग्रेस हाईकमान करेगा : जी परमेश्वर

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा है कि राज्य में मुख्यमंत्री पद का अंतिम निर्णय कांग्रेस हाई कमान करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने कोई गुट नहीं बनाया है और न ही अपने समर्थकों को किसी विशेष उम्मीदवार के पक्ष में निर्देश दिए हैं। उनका कहना है कि कुछ लोग अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं, लेकिन अंततः निर्णय हाई कमांड का ही होगा। ये बयान तब आया है, जब कर्नाटक कांग्रेस में सत्ता परिवर्तन की अटकलें तेज हैं। मुख्यमंत्री सिद्दारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और गृह मंत्री परमेश्वर इस राजनीतिक उथल-पुथल के मुख्य चेहरे माने जा रहे हैं। कर्नाटक सरकार के आधे कार्यकाल के बाद मुख्यमंत्री पद विवाद का केंद्र बन गया है।

नालवा को नई ग्राम पंचायत बनाए जाने पर भाजपा नेता राजेश दहिया का हुआ नागरिक अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मण्डेला।

मण्डेला क्षेत्र के गांव नालवा को नवीन ग्राम पंचायत का दर्जा मिलने पर ग्रामीणों में हर्ष का माहौल देखने को मिला। इस खुशी के अवसर पर ग्रामीणों द्वारा भाजपा नेता राजेश दहिया का लांबा सरपंच भरत सिंह की अध्यक्षता में सम्मान किया गया।कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश सोनी एवं नरेंद्र पूनिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर मातूराम गोदारा, अनिल गोदारा, राजकुमार डांगी, सुरेश डांगी, गुलाब डांगी, गोपीचंद शर्मा दिलारपुर, सुरेश चाहर, प्रहलाद चाहर, सहित संकड़ो ग्रामीण एवं मातृ शक्ति उपस्थित रहे। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत धत्तरवाला एवं ग्राम पंचायत लाम्बा के राजस्व गांव नालवा में दिलावरपुरा, कुरेशी नगर एवं गोविंदपुरा को जोड़कर नई ग्राम पंचायत का गठन किया गया है। इस अवसर पर गुरुवार को झुंझार सिंह मंदिर, नालवा परिसर में ग्रामीणों ने मिठाइयां बांटकर खुशी मनाई और भाजपा नेता राजेश दहिया का स्वागत किया। इस मौके पर राजेश दहिया ने कहा कि नालवा को नवीन ग्राम पंचायत का दर्जा मिलने से प्रशासनिक सुविधाओं में सुधार होगा और विकास कार्यों को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि नई ग्राम पंचायत बनने से क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। वर्तमान सरकार गांव के अंतिम छोर तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है और बिना किसी भेदभाव के कार्य करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। ग्रामीणों ने इस अवसर पर नालवा गांव से गोविंदपुरा सीमा तक सड़क निर्माण, नालवा से दिलावरपुरा तक सड़क निर्माण तथा नालवा में बोरिंग कुएं के निर्माण की मांग भी रखी।

जनकसिंहपुरा गांव में चोरों का तांडव, तीन दुकानों के ताले तोड़कर नकदी व सामान चोरी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नगर पालिका क्षेत्र के जनकसिंहपुरा गांव में 31 दिसंबर की रात्रि चोरों ने तीन दुकानों को निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने दुकान के शटर और ताले तोड़कर नकदी सहित सामान चोरी कर लिया, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। जानकारी के अनुसार चोरों ने पन्नालाल प्रजापत पुत्र गोवर्धन की परचून दुकान का शटर तोड़कर गल्ले में रखे करीब 3 हजार रुपये नकद एवं कोल्ड ड्रिंक सहित अन्य सामान चोरी कर लिया। वहीं पास ही स्थित मनीष प्रजापत पुत्र सुरेश की मोबाइल रिपेयरिंग दुकान से करीब 5 रिपेयरिंग मोबाइल चोरी कर लिए गए। तीसरी चोरी की वारदात अजीत प्रजापत पुत्र हीरालाल की दुकान में हुई, जहां चोरों ने ताला तोड़कर लगभग 1500 रुपये नकद सहित जूते-चप्पल का सामान चोरी कर लिया। ग्रामीण दुलीचंद ने बताया कि चोरी की जानकारी सुबह उस समय सामने आई जब आस- पास के लोग दुकान पर सामान लेने पहुंचे। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई, लेकिन आरोप है कि पुलिस करीब डेढ़ से दो घंटे की देरी से मौके पर पहुंची, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी देखी गई। चोरी की लगातार घटनाओं को लेकर ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। इस संबंध में नीमराना

थाना प्रभारी राजेश कुमार मीणा ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया है तथा आसपास के साक्ष्यों के आधार पर चोरी की वारदात में शामिल लोगों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

बीजेपी के ब्राह्मण विधायकों की बैठक पर अखिलेश का तंज... अगर वे विधायक सरकार के खिलाफ खड़े हो गए...

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने योगी सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर कई मुद्दों को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने प्रयागराज माघ मेला में सपा संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की मूर्ति न लगाने को लेकर योगी सरकार और प्रशासन की घेराबंदी की। अखिलेश ने कहा कि यदि अधिकारी नियम बदल सकते हैं, तब फिर माघ मेला में सभी भगवानों की मूर्तियां भी लगाई जानी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि चापलूसी की ÷रोटी÷ बनाने का कौन-सा नियम है और किस कानून के तहत कुछ खास लोगों को फायदा पहुंचा रहे है। अखिलेश ने कहा कि अधिकारी नियमों की आड़ में मनमानी कर रहे हैं। यदि नियम बदले जा रहे हैं, तब सपा भी अपने धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतीकों की स्थापना की मांग करेगी। उन्होंने कहा कि वह आयोजनकर्ताओं से आग्रह करते हैं कि केदारेश्वर मंदिर की भी माघ मेला में स्थापना की जाए, ताकि किसी तरह का भेदभाव न हो। इस दौरान उन्होंने पार्टी कार्यालय में आयोजित बाटी-चोखा सहभोज कार्यक्रम का जिक्र कर सपा कार्यकर्ताओं की तारीफ की। अखिलेश ने कहा कि यह कार्यक्रम पार्टी की सांस्कृतिक परंपरा और आपसी भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सपा पार्टी में सभी लोग मिल-जुलकर बैठते हैं, एक-दूसरे का सम्मान करते हैं और यही हमारी संस्कृति है।

वहीं बीजेपी के ब्राह्मण विधायकों की हालिया बैठक पर भी अखिलेश ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि ÷अभी वे विधायक बैठे-बैठे खा रहे थे, लेकिन अगर वे विधायक सरकार के खिलाफ खड़े हो गए तब बीजेपी सरकार का क्या होगा?÷ उन्होंने इशारों-इशारों में कहा कि बीजेपी के भीतर असंतोष बढ़ रहा है और यदि पार्टी के अपने विधायक ही सवाल उठाने लगे, तब सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। इसके अलावा अखिलेश ने एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) प्रक्रिया को लेकर भी मुख्यमंत्री योगी और चुनाव आयोग पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पहले दावा कर चुके हैं कि चार करोड़ वोट कट गए हैं और अब जो आंकड़े सामने आ रहे हैं, वे चुनाव आयोग और प्रशासन की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर रहे हैं। अखिलेश ने आशंका जाहिर की कि कहीं तकनीक के नाम पर किसी तरह की हेराफेरी या बेईमानी की तैयारी नहीं की जा रही है।

भारत-पाकिस्तान गतिरोध में चीन की मध्यस्थता के दावे का खंडन करे सरकार: ओवैसी

ट्रंप के बाद चीन के दावों ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एक नया विवाद खड़ा कर दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र से भारत-पाकिस्तान गतिरोध में चीन की मध्यस्थता के दावे का खंडन करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश के साथ संबंधों में सामान्यता संप्रभुता की कीमत पर नहीं हो सकती। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार यह दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध को रोका, चीन ने भी मई 2025 में चार दिनों तक चले संघर्ष के दौरान तनाव कम करने में अपनी भूमिका का दावा किया। ओवैसी ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह नागरिकों को आश्वस्त करे कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच किसी तीसरे पक्ष का हस्तक्षेप नहीं हुआ।

एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी ने एक्स पर लिखा- अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने हमारे सामने युद्धविराम की घोषणा करने और शांति स्थापित करने के लिए व्यापार प्रतिबंधों का इस्तेमाल करने का दावा करने के बाद अब चीनी विदेश मंत्री भी इसी तरह के दावे कर रहे हैं। यह भारत का अपमान है और सरकार को इसका कड़ा खंडन करना चाहिए। चीन के साथ संबंधों में सामान्यता भारत के सम्मान या उसकी संप्रभुता की कीमत पर नहीं हो सकती।

चीन के इस दावे को चौंकाने वाला बताते हुए उन्होंने कहा कि चीनी विदेश मंत्री का यह दावा चौंकाने वाला है कि बीजिंग ने भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की। भारत सरकार को इस दावे का आधिकारिक तौर पर खंडन करना चाहिए और देश को आश्वस्त करना चाहिए कि किसी भी तीसरे पक्ष का हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं है। इसके अलावा, ओवैसी ने इसे दक्षिण एशिया में अपनी श्रेष्ठता का दावा करते हुए भारत और पाकिस्तान को एक ही पायदान पर रखने का बीजिंग का प्रयास बताया।

उन्होंने कहा कि चीन भारत-पाकिस्तान को एक ही स्तर पर रखना चाहता है और दक्षिण एशिया में खुद को श्रेष्ठ साबित करने की कोशिश कर रहा है। क्या पीएम की चीन यात्रा के दौरान मोदी सरकार ने इसी बात पर सहमति जताई थी? एक तरफ चीन पाकिस्तान को 81 फीसदी हथियार मुहैया कराता है और ऑपरेशन सिंदूर में वास्तविक समय की खुफिया जानकारी प्रदान करता है, वहीं दूसरी तरफ वह मध्यस्थ होने का दावा करता है। यह अस्वीकार्य है और एक देश के रूप में हम इसे चुपचाप सहन नहीं कर सकते। चीन के दावों ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। बुधवार को कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने भी केंद्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए इसे नई दिल्ली की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ एक 'मजाक' बताया।

सोलन के नालागढ़ में नए साल के पहले दिन एक बड़ा धमाका

सोलन (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के सोलन के नालागढ़ में नए साल के पहले दिन एक बड़ा धमाका हुआ है। नालागढ़ थाने के पास मौजूद गली में सुबह-सुबह जोरदार धमाका हुआ, जिससे पूरा इलाका दहल उठा। धमाका इतना जबरदस्त था कि इसकी गूंज से आसपास के लोगों में दहशत फैल गई और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। विस्फोट की तीव्रता का अंदाजा इस बात से लग सकता है कि घटनास्थल के पास मौजूद इमारतों और आर्मी अस्पताल के शीशे चकनाचूर हुए है। लोगों और वहां मौजूद प्रवासी मजदूरों के अनुसार धमाके की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि धमाका होते ही पूरा इलाका दहल गया और एक पल के लिए कुछ भी दिखाई नहीं दिया। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही नालागढ़ पुलिस तुरंत हरकत में आ गई। पुलिस ने घटनास्थल को पूरी तरह से सील कर दोनों तरफ बैरिकेडिंग लगाकर जांच शुरू कर दी है। एसपी बद्दी विनोद धीमान अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच चुके हैं। मामले की संवेदनशीलता को देखकर शिमला से फॉरेंसिक टीम को भी सुबूत इकट्ठा करने बुलाया गया है।

नववर्ष पर मानवता की मिसाल: डॉल्फिन्स स्कूल ने किया भंडारे का आयोजन, जरूरतमंदों को बांटे भोजन के पैकेट

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नववर्ष के शुभ अवसर पर मानवता की सेवा का संदेश देते हुए नीमराना कस्बे के श्रीकृष्णा टॉवर मार्केट में गुरुवार को माधोसिंहपुरा स्थित डॉल्फिन्स स्कूल द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य जरूरतमंदों की सहायता कर समाज में सेवा और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना रहा। डॉल्फिन्स स्कूल की डायरेक्टर सविता मलिक ने बताया कि नववर्ष के उपलक्ष्य में मानवता की सेवार्थ यह पहल की गई, ताकि नए साल की शुरुआत सेवा और संवेदनशीलता के साथ हो सके। भंडारे के दौरान आने-जाने वाले लोगों को भोजन के पैकेट वितरित किए गए, जिससे बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ उठाया। उन्होंने आमजन से अपील की कि विशेष अवसरों पर जरूरतमंद स्थानों पर भंडारे जैसे सेवा कार्य आयोजित कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। इस अवसर पर चेयरमैन प्रवीण सिद्धू, सामाजिक कार्यकर्ता नरेंद्र चौधरी (गोल्डन एजुकेशन निदेशक) सहित सुमन, रेनू, शिवानी, शालू, रिंकू, प्रदीप, प्रियंका, राजेश, वेदप्रकाश, तनवी, मनीषा एवं स्कूल स्टाफ के अन्य सदस्य उपस्थित रहें।कार्यक्रम के माध्यम से नववर्ष पर सेवा, सहयोग और मानवता का प्रेरक संदेश दिया गया।

चुनावी तैयारियों में लगे कर्मचारियों को डराने का प्रयास बर्दास्त नहीं: आयोग

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल में चुनावी तैयारियों के बीच चुनाव आयोग ने साफ कहा है कि चुनाव ड्यूटी में लगे किसी भी कर्मचारी को डराने-धमकाने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चाहे वह बीएलओ हों, ईआरओ, एईआरओ या ऑब्जर्वर। सभी की सुरक्षा और सम्मान सर्वोपरि है।

गौरतलब है कि बुधवार को तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से मुलाकात की थी। इसके बाद पार्टी महासचिव एंव सांसद अभिषेक बनर्जी ने बाहर आकर आयोग पर कई सवाल उठाए। आयोग ने चेतावनी दी कि अगर कोई भी व्यक्ति कानून अपने हाथ में लेने की कोशिश करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

चुनाव आयोग ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रतिनिधिमंडल को स्पष्ट रूप से बताया कि राज्य सरकार को तुरंत प्रत्येक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को बढ़ा हुआ मानदेय जारी करना चाहिए, जिसे आयोग की मंजूरी मिल चुकी है। साथ ही आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि चुनावी प्रक्रिया को सुचारु बनाने के लिए नए कदम उठाए जा रहे हैं। आयोग का मानना है कि बीएलओ चुनावी व्यवस्था की रीढ़ हैं और उनके अधिकारों व सुविधाओं की अनदेखी चुनावी निष्पक्षता को प्रभावित कर सकती है।

टीएमसी प्रतिनिधिमंडल को आयोग ने जानकारी दी कि मतदाताओं की सुविधा के लिए ऊंची आवासीय इमारतों, गेटेड कॉलोनियों और झुग्गी-बस्तियों में भी मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। इसका उद्देश्य यह है कि किसी भी मतदाता को वोट डालने में परेशानी न हो और मतदान प्रतिशत बढ़े।

चुनाव आयोग ने दो टूक कहा कि टीएमसी यह सुनिश्चित करे कि उसके जमीनी स्तर के राजनीतिक प्रतिनिधि या कार्यकर्ता चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को धमकाने में शामिल न हों। आयोग ने चेतावनी दी कि अगर कोई भी व्यक्ति कानून अपने हाथ में लेने की कोशिश करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि किसी भी चुनावी कर्मचारी चाहे वह बीएलओ हो या ऑब्जर्वर को डराना गंभीर अपराध माना जाएगा। राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं द्वारा की गई किसी भी तरह की धमकी को आयोग कतई बर्दाश्त नहीं करेगा और दोषियों पर कठोर कदम उठाए जाएंगे। चुनाव आयोग ने कहा कि वह स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

राज्यसभा चुनाव 2026: उच्च सदन में बढ़ेगा भाजपा और एनडीए का दबदबा

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2026 में राज्यसभा की 72 रिक्त हो रही सीटों के लिए होने वाले चुनाव देश की राजनीति में दूरगामी प्रभाव डालेंगे। ये चुनाव न केवल प्रमुख नेताओं के राजनीतिक भविष्य का फैसला करेंगे, बल्कि संसद में सत्ताधारी भाजपा और विपक्षी कांग्रेस की रणनीतियों को भी नई दिशा देंगे। विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं में दलीय स्थिति का विश्लेषण करें तो स्पष्ट है कि ऊपरी सदन में भाजपा नीत एनडीए और अधिक शक्तिशाली होकर उभरेगा, जबकि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के लिए राह कठिन होने वाली है।

हालांकि, राज्यसभा के कुल अंकगणित में आमूल-चूल परिवर्तन की संभावना कम है, लेकिन एनडीए अपने बहुमत को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। भाजपा की व्यक्तिगत सदस्य संख्या में भी इजाफा होगा, जिससे केंद्र सरकार के लिए संसद के दोनों सदनों में विधायी कामकाज और विधेयकों को पारित कराना अधिक सहज हो जाएगा। दूसरी ओर, संख्या बल घटने से सरकार को घेरने की विपक्ष की धार कमजोर पड़ सकती है। वर्तमान आंकड़ों के अनुसार, राज्यसभा में भाजपा के 103 और एनडीए के कुल 126 सांसद हैं। 2026 में भाजपा के 30 सांसदों का कार्यकाल पूर्ण हो रहा है, जबकि 32 नए सांसदों का आना लगभग तय है। राजनीतिक समीकरणों और जोड़-तोड़ के सहारे पार्टी तीन अतिरिक्त सीटें भी जीत सकती है। सहयोगी दलों में तेलुगु देशम, जनसेना, शिवसेना और एनसीपी को भी एक-एक सीट का लाभ होने की उम्मीद है।

इन चुनावों का महत्व इसलिए भी बढ़ गया है क्योंकि इसमें मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा, दिग्विजय सिंह, शरद पवार और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी जैसे दिग्गजों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। इसके अतिरिक्त, बी एल बर्मा, जॉर्ज कुरियन, प्रियंका चतुर्वेदी, अभिषेक मनु सिंघवी और पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई जैसे प्रमुख नाम भी इस सूची में शामिल हैं। यदि सत्ताधारी दल के मंत्री पुनः निर्वाचित नहीं होते, तो उनके लिए कैबिनेट में बने रहना मुश्किल होगा।

राज्यवार स्थिति देखें तो उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक 10 सीटें रिक्त हो रही हैं, जिनमें से भाजपा को सात और सपा को दो सीटें मिलना तय माना जा रहा है। यहां बसपा का प्रतिनिधित्व समाप्त होने की कगार पर है। बिहार की 5 सीटों में से भाजपा और जेडीयू अपनी पकड़ मजबूत रखेंगे। दक्षिण भारत में, आंध्र प्रदेश की 4 सीटों में से तेलुगु देशम और जनसेना को लाभ मिलने की उम्मीद है, जबकि तमिलनाडु में द्रमुक का वर्चस्व बरकरार रहेगा। छत्तीसगढ़, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में कांग्रेस को कुछ राहत मिल सकती है, लेकिन गुजरात में उसकी एक सीट भी भाजपा के खाते में जाने की संभावना है। महाराष्ट्र की 7 सीटों पर होने वाले चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगियों का पलड़ा भारी दिख रहा है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस अपनी चार सीटें बचाने में सफल रह सकती है, जबकि भाजपा को एक सीट का लाभ हो सकता है। कुल मिलाकर, 2026 के ये चुनाव भाजपा

के लिए राज्यसभा में सुपर मेजॉरिटी की ओर कदम बढ़ाने वाले साबित होंगे, जिससे राष्ट्रीय राजनीति का संतुलन सत्ता पक्ष की ओर और अधिक झुक जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com